R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 184 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार, 13 जून 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

भारत-मालदीव संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध : पीएम मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया भर के नेताओं और पूर्व राष्ट्राध्यक्षों से मिली शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए विभिन्न देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नया कीर्तिमान स्थापित करने के बाद उन्हें कई देशों के प्रमुख नेताओं की ओर से बधाई संदेश प्राप्त हुए हैं। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद को धन्यवाद देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और मालदीव के बीच मित्रता ऐतिहासिक और मजबूत है। उन्होंने कहा कि दोनों देश हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, समृद्धि और सतत विकास के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर कार्य करते रहेंगे। प्रधानमंत्री ने भारत-मालदीव संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर की शुभकामनाओं के जवाब में प्रधानमंत्री ने उनकी हालिया भारत यात्रा को याद करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग के नए अवसर मौजूद हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भारत और ऑस्ट्रिया के संबंध और अधिक मजबूत होंगे। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब को धन्यवाद देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी भारत यात्रा और रायसीना डायलॉग में मुख्य अतिथि के रूप में उनकी भागीदारी का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत और फिनलैंड के बीच तकनीक, नवाचार और अन्य क्षेत्रों में सहयोग को और विस्तार दिया जाएगा। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने भी प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देते हुए भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को मजबूत बनाने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने मुक्त व्यापार समझौते और आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने में साझा प्रयासों की सराहना की। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने भी प्रधानमंत्री मोदी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि भारतीय जनता के उनके नेतृत्व में विश्वास को दर्शाती है। उन्होंने भारत के साथ साझेदारी को और मजबूत करने की इच्छा जताई। वहीं, जापान के पूर्व प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने प्रधानमंत्री मोदी को 4,000 दिनों से अधिक समय तक प्रधानमंत्री पद संभालने पर बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस बीच, ऑस्ट्रिया ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बताते हुए उसे यूरोपीय संघ का महत्वपूर्ण और विश्वसनीय साझेदार करार दिया।

ओमान तट के पास भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर लगातार हमले

भारत ने दूसरी बार अमेरिकी अधिकारी को किया तलब

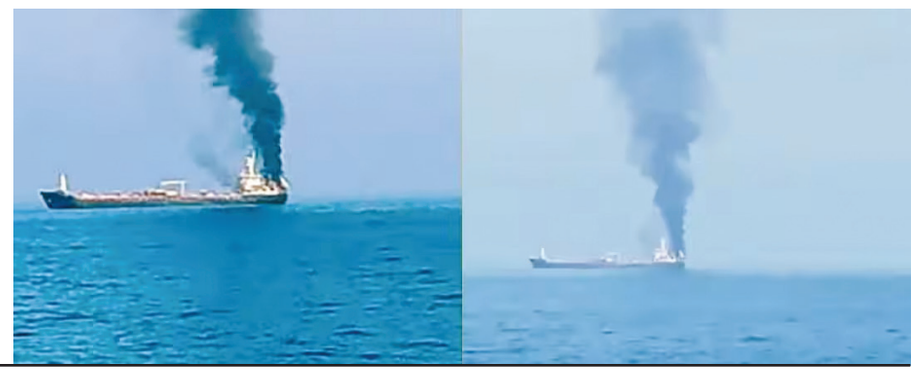

नई दिल्ली । ओमान के समुद्री क्षेत्र के पास भारतीय नाविकों वाले व्यापारिक जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों को लेकर भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। केंद्र सरकार ने अमेरिका के कार्यकारी राजदूत जैशने मीक्स को दूसरी बार विदेश मंत्रालय में तलब कर अपनी चिंता और विरोध दर्ज कराया। हाल ही में भारतीय चालक दल वाले एक अन्य जहाज पर हुए हमले के बाद यह कदम उठाया गया है। विदेश मंत्रालय में अमेरिकी अधिकारी करीब 45 मिनट तक मौजूद रहे, जहां इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की गई।

लगातार हमलों से बढ़ी समुद्री सुरक्षा की चिंता

पिछले चार दिनों के भीतर भारतीय नाविकों से जुड़े जहाजों पर तीन हमले हो चुके हैं, जिससे क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। इन घटनाओं के बाद डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ शिपिंग (डीजीएस) ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, ओमान की खाड़ी और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में कार्यरत लगभग 18 हजार भारतीय नाविकों के लिए विशेष सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने अमेरिकी पक्ष के समक्ष भारतीय नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। भारत ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर काम करने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और ऐसे हमलों को गंभीरता से लिया जा रहा है।

चार दिन में तीन हमले, तीन भारतीयों की गई जान

पहली घटना 8 जून को हुई थी, जब एमटी मारिवेक्स नामक जहाज पर हमला किया गया। हमले के बाद जहाज में आग लग गई, हालांकि उस पर सवार सभी 24 भारतीय चालक दल के सदस्य सुरक्षित बचा लिए गए। दूसरी घटना 10 जून को ओमान की खाड़ी में हुई, जहां एमटी सेटेबेलो नामक टैंकर को निशाना बनाया गया। जहाज पर 24 भारतीय नाविक सवार थे। इनमें से 21 को सुरक्षित निकाल लिया गया, जबकि शुरुआत में लापता बताए गए तीन भारतीय नाविकों की बाद में मृत्यु की पुष्टि हुई। तीसरा हमला 11 जून को एमटी जलवीर नामक जहाज पर हुआ, जिस पर 20 भारतीय क्रू सदस्य सवार थे। लगातार हो रहे इन हमलों ने क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ा दी है। भारत सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है।

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ-दिल्ली इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

लखनऊ । लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई-2111 को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद शुक्रवार को एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया। सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विमान को टेकऑफ से पहले रोक लिया और उसकी गहन जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इंडिगो की यह उड़ान लखनऊ से दिल्ली के लिए निर्धारित थी। विमान के रवाना होने से ठीक पहले सुरक्षा से जुड़ी एक संभावित धमकी की सूचना मिली। सूचना मिलते ही एयरपोर्ट प्रशासन, सुरक्षा एजेंसियां और संबंधित अधिकारी सक्रिय हो गए तथा स्थापित सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को उड़ान भरने से रोक दिया गया। इसके बाद विमान की विस्तृत तलाशी ली गई और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक जांच प्रक्रियाएं अपनाई गईं। अधिकारियों ने बताया कि जांच पूरी होने और सुरक्षा एजेंसियों से मंजूरी मिलने के बाद ही विमान को दिल्ली के लिए रवाना किया जाएगा। इंडिगो के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा कि 12 जून को लखनऊ से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट 6ई-2111 में टेकऑफ से पहले सुरक्षा संबंधी संभावित खतरे की जानकारी मिली थी। कंपनी ने निर्धारित नियमों का पालन करते हुए तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित किया और जांच में पूरा सहयोग किया। प्रवक्ता ने यात्रियों को हुई असुविधा पर खेद जताते हुए कहा कि उन्हें समय-समय पर स्थिति की जानकारी दी जा रही है तथा जलपान सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि यात्रियों, चालक दल और विमान की सुरक्षा कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं और धमकी की वास्तविकता का पता लगाने का प्रयास जारी है।

दारमा घाटी में भूस्खलन, पर्यटकों की कार पर गिरी चट्टान

पिथौरागढ़ । उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा धारचूला की दारमा घाटी में उस समय हुआ जब पंचाचूली दर्शन कर लौट रहे पर्यटकों की कार भूस्खलन की चपेट में आ गई। जानकारी के अनुसार, पर्यटकों को लेकर एक स्थानीय जीप चालक धारचूला की ओर जा रहा था। इसी दौरान दर नामक स्थान के पास अचानक पहाड़ी से बड़े-बड़े बोल्डर और चट्टानें गिरने लगीं। एक विशाल चट्टान सीधे वाहन पर आ गिरी, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद घायलों को वाहन से बाहर निकालकर धारचूला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। इस बीच, उत्तराखंड में मानसून की दस्तक को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। अधिकारियों ने पहाड़ी क्षेत्रों में यात्रा करने वाले लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। मौसम विभाग द्वारा भारी बारिश और भूस्खलन की आशंका जताए जाने के बाद संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है। गौरतलब है कि एक दिन पहले चमोली जिले में भी एक कार नदी में गिरने से चार लोगों की मौत हो गई थी। लगातार हो रहे हादसों ने पहाड़ी क्षेत्रों में यात्रा की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

तुगलकाबाद में पांच मंजिला इमारत में लगी आग, 3 की मौत, 8 लोग बचाए गए

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में देर रात एक पांच मंजिला रिहायशी इमारत में भीषण आग गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें दो महिलाएं शामिल हैं। हादसे में आठ लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया, जबकि पांच महिलाएं गंभीर रूप से झुलस गईं और उन्हें एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, आग सबसे पहले ग्राउंड फ्लोर पर खड़ी बाइक्स और वाहनों में लगी। इसके बाद लपटें ऊपरी मंजिलों तक फैल गईं। आग की सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड की टीम ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। छत का ताला काटकर लोगों को बचाया। हादसे में कई गाड़ियां जलकर राख हो गईं।

देर रात ढाई बजे आया इमरजेंसी कॉल

फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, गुरुवार देर रात करीब ढाई बजे के बीच इमरजेंसी कॉल मिलीं। आग तारा अपार्टमेंट के पास गली नंबर 1 में स्थित एक इमारत में लगी थी। संकरी गली में बनी पांच मंजिला इमारत होने के कारण राहत कार्य में दिक्कतें आईं। छत का गेट बंद होने पर उसका ताला तोड़कर अंदर पहुंचे। इमारत के अंदर फंसे लोगों का फायर फाइटर्स ने रेस्क्यू किया। वहां फंसी दो लड़कियों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। करीब 3:45 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

चश्मदीद बोलीं- एक-एक करके ब्लास्ट हुईं कई गाड़ियां

एक चश्मदीद ने बताया कि, हम लोग पड़ोस में रहते हैं। आग लगने की खबर मिलते ही वहां पहुंचे तो देखा कि ग्राउंड फ्लोर पर खड़ी गाड़ियों में एक-एक करके ब्लास्ट हो रहा था। हमने पानी का इस्तेमाल करके आग बुझाई। हमने पीछे की तरफ से भी लोगों को बचाया। उन्हें नीचे उतारने के लिए साड़ियों का इस्तेमाल किया और लड़कियों को बाहर निकालने के लिए पीछे की सुरक्षा ग्रिल काटी। बिलडिंग में कुल 9 परिवार रहते हैं कुछ बाहर गए थे। घटना के वक्त करीब 20-22 लोग इमारत में रहे होंगे। फायर विभाग के एडीओ यशवंत मीणा ने बताया कि पार्किंग में खड़ी तीन स्कूटी, दो बाइक और एक साइकिल जल गईं। आग और धुआं ग्राउंड फ्लोर से पांचवीं मंजिल तक फैल गया, जिससे निचली मंजिलों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

मीनाक्षी नटराजन ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना

नई दिल्ली । मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव में नामांकन रद्द होने के मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी शिकायत पर चुनाव आयोग ने 48 घंटे तक कोई जवाब नहीं दिया, जिससे आयोग की निष्पक्षता पर संदेह पैदा होता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद मीडिया से बातचीत में मीनाक्षी नटराजन ने कहा कि चुनाव आयोग का रवैया निराशाजनक रहा। उनके अनुसार, शिकायत दर्ज कराने के बावजूद आयोग ने निर्धारित समय में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता का अभाव दिखाई दिया है। मीनाक्षी नटराजन ने चुनाव आयोग पर सांठगांठ के आरोप भी लगाए। उनका कहना था कि सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश सरकार के वकील मौजूद थे, जबकि उनकी शिकायत का राज्य सरकार से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं था। उन्होंने दावा किया कि इस घटनाक्रम से कई बातें सार्वजनिक रूप से सामने आ गई हैं। गौरतलब है कि शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज करते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद न्यायालय आमतौर पर उसमें हस्तक्षेप नहीं करता। अदालत ने स्पष्ट किया कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान न्यायिक दखल की सीमाएं निर्धारित हैं। दरअसल, राज्यसभा चुनाव के लिए मीनाक्षी नटराजन का नामांकन जांच के दौरान रद्द कर दिया गया था। भाजपा की ओर से आरोप लगाया गया था कि उन्होंने अपने हलफनामे में तेलंगाना से जुड़े एक अदालती मामले की जानकारी नहीं दी थी। इसी आधार पर उनका नामांकन निरस्त कर दिया गया, जिसके बाद भाजपा उम्मीदवार महेश केवट का निर्विरोध निर्वाचित होना तय हो गया।

एलन मस्क दुनिया के पहले 'ट्रिलियनेयर', पैसा खत्म होने में लगेंगे 2,740 साल!

नई दिल्ली। टेस्ला कंपनी के सीईओ एलन मस्क हमेशा अपनी सुर्खियों बने रहते है। दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में एलन मस्क का नाम हमेशा टॉप पर रहता है, लेकिन अब वे एक ऐसे मुकाम पर हैं जहां से वे दुनिया के पहले 'ट्रिलियनेयर' बन गए हैं। फोर्ब्स की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, मस्क की नेट वर्थ बढ़कर लगभग 982 बिलियन डॉलर हो गई है। इसका मुख्य कारण उनकी कंपनी 'स्पेसएक्स' (SpaceX) का आईपीओ (IPO) है, जिसे 135 डॉलर प्रति शेयर के भाव पर लॉन्च किया गया है। इस लिस्टिंग के बाद रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स की वैल्यू करीब 1.8 ट्रिलियन डॉलर हो गई है।

स्पेसएक्स के IPO ने कैसे बनाया मस्क को ट्रिलियनेर?

एलन मस्क पहले से ही दुनिया के सबसे अमीर इंसान थे। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में उनकी कुल संपत्ति करीब 696 अरब डॉलर थी, लेकिन असली धमाका 12 जून 2026 को हुआ जब स्पेसएक्स ने Nasdaq स्टॉक एक्सचेंज पर अपनी लिस्टिंग की। कंपनी ने लगभग 55.56 करोड़ शेयर बेचे, जिनमें से हर एक की कीमत 135 डॉलर रखी गई।

इससे स्पेसएक्स की कुल कीमत बन गई 1.77 ट्रिलियन डॉलर। यह अब तक के इतिहास का सबसे बड़ा IPO है। अब मस्क के पास स्पेसएक्स में करीब 42 फीसदी हिस्सेदारी है। उनकी इस हिस्सेदारी की कीमत 743 अरब से लेकर 866.5 अरब डॉलर के बीच है। रॉयटर्स और फोर्ब्स के अनुमानों के मुताबिक, टेस्ला और दूसरे कारोबारों को मिलाकर मस्क की नेट वर्थ 1.1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो गई है। बाजार बंद होने से पहले ही वह आधिकारिक तौर पर दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बन गए। यह दौलत कागजों पर है, मतलब यह नकदी में नहीं बल्कि उनकी कंपनियों के शेयरों में बंद है, लेकिन इसका आकार इतना बड़ा है कि दुनिया देखती रह गई।

राहुल गांधी को सर्वमान्य नेता मानें, क्षेत्रीय दल कांग्रेस में लौटें : अशोक गहलोत

जयपुर । राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने देश की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों का हवाला देते हुए कांग्रेस से अलग होकर बने क्षेत्रीय दलों से फिर से कांग्रेस में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने और विपक्ष को एकजुट करने के लिए सभी दलों को राहुल गांधी के नेतृत्व को पूरे दिल से स्वीकार करना चाहिए। अशोक गहलोत ने शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि विपक्ष जनता को स्पष्ट संदेश दे। उन्होंने कहा कि यदि सभी सहयोगी दल राहुल गांधी को सर्वसम्मति से अपना नेता मान लें, तो देश के राजनीतिक और मतदान पैटर्न में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। गहलोत ने कहा कि आज देश में लोकतंत्र को बचाने की चुनौती सामने है और विपक्षी दलों को इस दिशा में एकजुट होकर काम करना चाहिए। उनके अनुसार, जनता तभी विपक्ष पर भरोसा करेगी जब उसके सामने नेतृत्व को लेकर स्पष्ट तस्वीर होगी। उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं और दूसरी तरफ राहुल गांधी, इसलिए विपक्ष को अपना नेतृत्व स्पष्ट रूप से सामने रखना चाहिए। हालांकि गहलोत ने यह भी स्पष्ट किया कि कुछ दल, जैसे शिवसेना, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम), स्वतंत्र रूप से बने राजनीतिक दल हैं और उन पर कांग्रेस में शामिल होने का कोई दबाव नहीं डाला जा सकता। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जैसे दलों से भी कांग्रेस को कोई शिकायत नहीं है। इस दौरान गहलोत ने देश के युवाओं से भी राजनीति में सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि युवाओं को विभिन्न विचारधाराओं को समझकर देशहित में अपनी भूमिका तय करनी चाहिए।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर सियासत तेज, जांच की मांग

अयोध्या। राम मंदिर में दान और चढ़ावे में कथित अनियमितताओं को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इस मामले ने राजनीतिक और धार्मिक दोनों स्तरों पर बहस छेड़ दी है। विपक्षी नेताओं और संत समाज ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है, जबकि राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से अभी तक कोई विस्तृत आधिकारिक बयान नहीं आया है। सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट स्तर पर आंतरिक जांच चल रही है, जिसमें दान संग्रह, कैश काउंटिंग, रिकॉर्डिंग और बैंक जमा प्रक्रिया की समीक्षा की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज और कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। विपक्षी नेता माता प्रसाद पांडेय और संत अविमुक्तेश्वरानंद ने मामले को गंभीर बताते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। वहीं विनय कटियार ने भी पारदर्शी जांच की बात कही है। समाजवादी पार्टी के नेताओं द्वारा उठाए गए आरोपों के बाद राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है। मामला बढ़ने पर पीएमओ ने भी ट्रस्ट से रिपोर्ट तलब की है।

बाल श्रम खत्म करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी - हिमंता बिस्वा सरमा

गुवाहाटी । विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बाल श्रम उन्मूलन के लिए समाज के सभी वर्गों से एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और बेहतर भविष्य का अधिकार मिलना चाहिए तथा किसी भी बच्चे के हाथों में मजदूरी का बोझ नहीं, बल्कि किताबें होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि किसी भी समाज का भविष्य उसके बच्चों पर निर्भर करता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए मिलकर प्रयास करें कि प्रत्येक बच्चे को सीखने, आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिले। सरमा ने कहा कि बच्चों का बचपन सुरक्षित रखना और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। हर वर्ष 12 जून को मनाए जाने वाले विश्व बाल श्रम निषेध दिवस का उद्देश्य बाल श्रम में फंसे लाखों बच्चों की स्थिति के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनके शोषण को समाप्त करने के लिए वैश्विक प्रयासों को मजबूत करना है। बाल अधिकार कार्यकर्ताओं का मानना है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं और श्रम कानूनों का सख्ती से पालन बाल श्रम को रोकने के सबसे प्रभावी उपाय हैं। असम सरकार भी बच्चों के कल्याण और शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के लिए कई योजनाएं चला रही है, विशेष रूप से ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए। इन पहलों का उद्देश्य स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या कम करना और उन्हें शिक्षा से जोड़ना है। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर राज्यभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और सरकारी एजेंसियों ने बच्चों के अधिकारों की रक्षा तथा उन्हें सुरक्षित और समावेशी वातावरण उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

वास्तव में दोष किसान का नहीं, हमारे सिस्टम का है

भारत में खेती और किसानों की आय को लेकर अक्सर यह धारणा बनाई जाती है कि सरकार किसानों पर भारी खर्च कर रही है और उन्हें पर्याप्त सहायता मिल रही है। लेकिन यदि आंकड़ों को गहराई से देखा जाए तो तस्वीर कुछ और ही नजर आती है। वास्तव में समस्या किसान नहीं, बल्कि कृषि क्षेत्र की वह व्यवस्था है जो दशकों से सुधार की प्रतीक्षा कर रही है। केंद्र और राज्य सरकारें खाद सब्सिडी, बिजली रियायत, किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, सिंचाई सहायता और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) जैसी योजनाओं पर हर वर्ष लगभग दस लाख करोड़ रुपये खर्च करती हैं। पहली नजर में यह राशि बहुत बड़ी दिखाई देती है, लेकिन जब इसे देश के 12 करोड़ किसानों और लगभग 14 करोड़ हेक्टेयर कृषि भूमि के संदर्भ में देखा जाता है, तो प्रति किसान और प्रति हेक्टेयर मिलने वाली वास्तविक सहायता उतनी अधिक नहीं रह जाती जितनी अक्सर बताई जाती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कृषि की लागत तय करने के तरीके में भी कई खामियां हैं। उद्योगों में मशीनों, भवनों और अन्य परिसंपत्तियों पर होने वाले मूल्यह्रास (डेप्रिसिएशन), पूंजी की लागत और प्रबंधन व्यय को उत्पादन लागत का हिस्सा माना जाता है। इसके विपरीत किसान की अपनी जमीन, उसकी पूंजी और उसके श्रम का पूरा मूल्य लागत गणना में नहीं जुड़ पाता। किसान अपनी भूमि के मूल्य पर कोई ब्याज नहीं प्राप्त करता, जबकि वही उसकी सबसे बड़ी संपत्ति होती है। इसके अलावा सभी किसानों को समान लाभ नहीं मिलता। हर किसान एक जैसी मात्रा में खाद का उपयोग नहीं करता, हर खेत की उर्वरा शक्ति अलग होती है और सभी फसलें एमएसपी पर नहीं खरीदी जातीं। वास्तविकता यह है कि देश के अधिकांश किसान खुले बाजार पर निर्भर हैं, जहां उन्हें अक्सर लागत के अनुरूप मूल्य नहीं मिल पाता। ऐसे में सरकारी सहायता का लाभ भी असमान रूप से वितरित होता है। अंतरराष्ट्रीय तुलना भी महत्वपूर्ण है। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) के कई देशों में किसानों को कृषि सकल मूल्य वर्द्धन (जीवीए) के 60 प्रतिशत तक सहायता मिलती है, जो भारत की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है। इसके बावजूद भारतीय किसान सीमित संसाधनों में देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। कृषि संकट का समाधान केवल सब्सिडी बढ़ाने में नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने में है जो किसानों को उचित मूल्य, आधुनिक तकनीक, बेहतर बाजार और स्थायी आय का भरोसा दे सके। किसान को दोषी ठहराने के बजाय नीति निर्माताओं को उस तंत्र की समीक्षा करनी चाहिए जो खेती को लाभकारी बनाने में अब तक सफल नहीं हो पाया है। आखिरकार, यदि अन्नदाता संघर्ष कर रहा है तो सवाल किसान पर नहीं, व्यवस्था पर उठना चाहिए।

बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस

बचपन को श्रम नहीं, शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का अधिकार मिलें

ललित गर्ग

हर वर्ष 12 जून को मनाया जाने वाला बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि मानवता के अंतःकरण को झकझोरने वाला अवसर है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि दुनिया का कोई भी बच्चा मजदूर बनने के लिए पैदा नहीं होता। उसके हाथों में औजार, ईंट, बर्तन, हथौड़े, कूड़े की बोरी या कारखानों की मशीनें नहीं, बल्कि किताबें, खिलौने, रंग, सुनहले सपने और संभावनाएं होनी चाहिए। बचपन जीवन का वह स्वर्णिम काल है जिसमें व्यक्ति के व्यक्तित्व, संस्कार, शिक्षा और भविष्य की नींव रखी जाती है। यदि यही काल श्रम, शोषण और अभाव की भट्टी में झोंक दिया जाए तो केवल एक बच्चे का नहीं, पूरे समाज और राष्ट्र का भविष्य अंधकारमय हो जाता है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन- आईअलओ द्वारा 2002 में शुरू किए गए इस दिवस का उद्देश्य बाल श्रम की भयावहता के प्रति वैश्विक चेतना जगाना और इसके उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयासों को गति देना है। वर्ष 2026 में भी यह दिवस ऐसे समय पर आ रहा है जब दुनिया तकनीकी विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आर्थिक प्रगति के नए आयाम छू रही है, लेकिन दूसरी ओर करोड़ों बच्चे आज भी शिक्षा और बचपन के अधिकार से वंचित हैं। यह विडम्बना मानव सभ्यता के सामने एक गंभीर प्रश्नचिह्न है।

जब हम किसी ढाबे, होटल, चाय की दुकान, कारखाने, गैरेज, ईंट-भट्टे, खेत या ट्रैफिक सिग्नल पर किसी मासूम बच्चे को कठिन श्रम करते देखते हैं, तब अक्सर हमारी संवेदना कुछ क्षणों के लिए जागती है और फिर हम अपने काम में व्यस्त हो जाते हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि कब तक हम इस पीड़ा को सामान्य मानते रहेंगे? क्या हम उस बचपन की चीख नहीं सुन पा रहे जो अपने अधिकारों से वंचित होकर मजदूरी के अंधेरे में खो रहा है? आज भी विश्व में करोड़ों बच्चे किसी न किसी रूप में बाल श्रम में संलग्न हैं। इनमें से बड़ी संख्या खतरनाक परिस्थितियों में काम करती है, जहां उनका शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास बाधित होता है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता, विस्थापन, तस्करी, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएं और कमजोर सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थाएं बाल श्रम की प्रमुख वजहें हैं। परिवार की आर्थिक विवशताएं बच्चों को स्कूल की बजाय काम की दुनिया में धकेल देती हैं। लेकिन गरीबी का समाधान बच्चों से काम कराना नहीं, बल्कि परिवारों को सम्मानजनक रोजगार और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। बाल श्रम केवल आर्थिक समस्या नहीं है; यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। यह बच्चों से उनका बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकूद, आत्मविश्वास और भविष्य छीन लेता है। जो बच्चा विद्यालय में होना चाहिए, वह यदि कारखाने में है, तो यह केवल उस बच्चे की नहीं, पूरे समाज की विफलता है। बाल श्रम गरीबी का चक्र भी बनाए रखता है, क्योंकि अशिक्षित बच्चा बड़ा होकर कम आय वाले कार्यों तक सीमित रह जाता है और अगली पीढ़ी भी उसी अभाव में जीने को मजबूर होती है। भारत सहित अनेक देशों में बाल श्रम रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आईअलओ के कन्वेंशन 138 और कन्वेंशन 182 न्यूनतम कार्य आयु और बाल श्रम के सबसे खतरनाक रूपों पर रोक लगाने के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं। भारत में भी बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम तथा शिक्षा का अधिकार कानून मौजूद हैं। लेकिन कानूनों की प्रभावशीलता उनके कठोर और ईमानदार क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। कई बार कानूनी प्रावधान होने के बावजूद बाल श्रम छिपे हुए रूपों में जारी रहता है। आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सामाजिक आंदोलन का स्वरूप देने की है। बाल श्रम को समाप्त करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जन-जागरण अभियान चलाए जाने चाहिए। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, मीडिया, उद्योग जगत और नागरिक समाज को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। जिस प्रकार पर्यावरण संरक्षण और महिला अधिकारों को लेकर वैश्विक चेतना विकसित हुई है, उसी प्रकार बाल अधिकारों के लिए भी विश्वव्यापी जनमत तैयार करना होगा। कैसा विरोधाभास है कि हमारा समाज, सरकार और

बाल श्रम केवल आर्थिक समस्या नहीं है; यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। यह बच्चों से उनका बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकूद, आत्मविश्वास और भविष्य छीन लेता है। जो बच्चा विद्यालय में होना चाहिए, वह यदि कारखाने में है, तो यह केवल उस बच्चे की नहीं, पूरे समाज की विफलता है। बाल श्रम गरीबी का चक्र भी बनाए रखता है, क्योंकि अशिक्षित बच्चा बड़ा होकर कम आय वाले कार्यों तक सीमित रह जाता है और अगली पीढ़ी भी उसी अभाव में जीने को मजबूर होती है। भारत सहित अनेक देशों में बाल श्रम रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आईअलओ के कन्वेंशन 138 और कन्वेंशन 182 न्यूनतम कार्य आयु और बाल श्रम के सबसे खतरनाक रूपों पर रोक लगाने के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं। भारत में भी बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम तथा शिक्षा का अधिकार कानून मौजूद हैं। लेकिन कानूनों की प्रभावशीलता उनके कठोर और ईमानदार क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। कई बार कानूनी प्रावधान होने के बावजूद बाल श्रम छिपे हुए रूपों में जारी रहता है। आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सामाजिक आंदोलन का स्वरूप देने की है...

राजनीतिज्ञ बच्चों को देश का भविष्य मानते नहीं थकते लेकिन क्या इस उम्र के लगभग 25 से 30 करोड़ बच्चों से बाल मजदूरी के जरिए उनका बचपन और उनसे पढ़ने का अधिकार छीनने का यह सुनियोजित षड्यंत्र नहीं लगता? मिसाल के तौर पर एक कानून बनाकर हमने बच्चों से उनका बचपन छिनने की कुचेष्टा की है। इस कानून में हमने यदि पारिवारिक कामधंधा या रोजगार है तो 4 से 14 की उम्र के बच्चों से कानूनन काम कराया जा सकता है और कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यह कैसी विडम्बना है कि जब इस उम्र के बच्चों को स्कूल में होना चाहिए, खानदानी व्यवसाय के नाम पर एक पूरी पीढ़ी को शिक्षा, खेलकूद और सामान्य बाल्य सुलभ व्यवहार से वंचित किया जा रहा है और हम अपनी पीठ थपथपाए जा रहे हैं। बच्चों को बचपन से ही आत्मनिर्भर बनाने के नाम पर हकीकत में हम उन्हें पैसा कमाकर लाने की मशीन बनाकर अंधकार में धकेल रहे हैं। विशेष रूप से डिजिटल युग में तकनीक का उपयोग बाल श्रम उन्मूलन के लिए किया जा सकता है। प्रत्येक उद्योग और आपूर्ति श्रृंखला की पारदर्शी निगरानी, बाल श्रम शिकायतों के लिए ऑनलाइन पोर्टल, त्वरित कार्रवाई तंत्र और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणालियां विकसित की जा सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी आपूर्ति श्रृंखला में कहीं भी बाल श्रम का उपयोग न हो। जो कंपनियां ऐसा करती पाई जाएं, उनके विरुद्ध कठोर आर्थिक और कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। बाल श्रम समाप्त करने का सबसे प्रभावी उपाय गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा है।

बालश्रम निषेध दिवस

रोहित कौशिक

प्रगतिशील दौर के बावजूद बचपन पर मंडराता खतरा

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि इस प्रगतिशील दौर में भी बाल श्रम रुक नहीं रहा है। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में दस श्रमिकों में से एक श्रमिक बच्चा है। बाल श्रम के विरोध में बने विभिन्न कानूनों के अतिरिक्त 2009 में बने 'शिक्षा का अधिकार' कानून के तहत भी बाल श्रम को बढ़ावा देने वाले लोगों को दंड का प्रावधान है। 'शिक्षा का अधिकार' कानून के तहत बच्चों को अपनी शिक्षा पूर्ण करने का अधिकार दिया गया है ताकि वे बाल श्रम से दूर रहकर अपनी इच्छानुसार भविष्य चुन सकें। इसके बावजूद ग्रामीण और शहरी इलाकों में बालश्रम को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। अनेक जगहों पर अभी भी छोटी बच्चियों को घर के काम के लिए रखा जाता है तो छोटे बच्चों से दुकानों, खेतों और अन्य स्थानों पर काम कराया जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में 152 मिलियन बच्चे बाल श्रमिक के रूप में काम कर रहे हैं, जिनमें से 7.3 फीसदी बच्चे भारत में बाल श्रमिक के रूप में कार्यरत हैं। विडम्बना यह है कि कोरोना काल ने बाल श्रमिकों को एक बड़े खतरे में डाल दिया है। बाल श्रम के कारण आज अनेक बच्चे कुपोषण और विभिन्न बीमारियों से जूझ रहे हैं। अक्सर हम बाल श्रम का अर्थ बहुत ही सीमित सन्दर्भों में लगाते हैं। अगर बच्चों के दिमाग पर किसी भी रूप में कोई दुष्प्रभाव पड़ रहा है और उनके दिमाग को परम्परागत श्रम से अलग श्रम करना पड़ रहा है तो वह भी एक तरह का बाल श्रम ही है। दुःखद यह है कि हम इस परम्परागत बाल श्रम पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन अपरम्परागत बाल श्रम पर ध्यान नहीं देते हैं। एक रिपोर्ट में बताया गया था कि टीवी पर दिखाई जाने वाली हिंसा से बच्चों के दिलो दिमाग पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

आज अनेक ऐसे बच्चे हैं जो भूत और किसी अन्य भटकती आत्मा के भय से प्रताड़ना की जिंदगी जी रहे हैं। सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च ने बच्चों पर मीडिया के कुप्रभाव का व्यापक सर्वेक्षण कराया था। पांच शहरों में कराए गए इस सर्वेक्षण से यह निष्कर्ष सामने आया था कि हिंसा और भय वाले कार्यक्रमों के कारण बच्चों पर गहरा भावनात्मक असर पड़ता है जो आगे चलकर उनके भविष्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। विडम्बना यह है कि अब जलवायु परिवर्तन भी बच्चों को अपना शिकार बना रहा है। पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 2.3 अरब बच्चों में से लगभग 69 करोड़ बच्चे जलवायु परिवर्तन के सबसे अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में रहते हैं, जिसके चलते उन्हें उच्च मृत्यु दर ,गरीबी और बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। लगभग 53 करोड़ बच्चे बाढ़ और उष्णकटिबंधीय तूफानों से सर्वाधिक प्रभावित देशों में रहते हैं। गौरतलब है कि इनमें से ज्यादातर देश एशिया में हैं। करीब 16 करोड़ बच्चे सूखे से गम्भीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में पल-बढ़ रहे हैं। इन क्षेत्रों में से ज्यादातर अफ्रीका में हैं। अब ज्यादा या कम वजन होने का अर्थ भी कुपोषण ही है। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में करीब 70 करोड़ बच्चे कुपोषण की चपेट में हैं। यह जरूर है कि वैश्विक स्तर पर कुपोषित बच्चों की संख्या में पहले की अपेक्षा कमी आई है लेकिन लैंसेट की एक रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन के कारण भविष्य में कुपोषण की स्थिति और खतरनाक होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। बीमारी के साथ-साथ ऐसे अनेक कारण हैं जिनके कारण बीमार बच्चों का समय से ठीक होना सम्भव नहीं हो पाता। कई बार ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएं भी ठीक ढंग से उपलब्ध नहीं हो पाती हैं।

पिछड़े इलाकों में स्वच्छ पेयजल और साफ-सफाई का भी अभाव रहता है। जलवायु परिवर्तन इन्हीं सब कारकों को बढ़ाकर बच्चों के लिए अनेक समस्याएं पैदा करता है। आज की महानगरीय जीवन शैली में माता और पिता दोनों ही अपने-अपने कामों में व्यस्त रहते हैं। ऐसे में भी बच्चों की उचित एवं सम्पूर्ण देखभाल प्रभावित होती है। नौकर एवं किड गार्डन कुछ समय तक तो बच्चों की देखभाल कर सकते हैं, लेकिन समस्या तब आती है जब अत्यधिक व्यवस्तता के कारण माता-पिता बच्चों को मात्र इस व्यवस्था के सहारे ही छोड़ देते हैं। ऐसे में बच्चों को भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है। बच्चों के लालन पोषण के लिए मात्र सुख सुविधाओं की ही आवश्यकता नहीं होती है बल्कि सबसे अधिक आवश्यकता होती है उस स्नेह की जो सच्चे अर्थों में उनके अन्दर एक विश्वास पैदा करता है। बहरहाल, आज जरूरत इस बात की है हम बाल श्रम के अर्थ को व्यापक रूप से ग्रहण करें। इस प्रगतिशील दौर में हम बाल श्रम का पुराना अर्थ ही ग्रहण कर रहे हैं। बाल श्रम के विभिन्न स्वरूपों पर बात करके ही हम सच्चे अर्थों में बचपन बचा सकते है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मृत्युंजय मंत्र यानी मृत्यु पर विजय का मंत्र

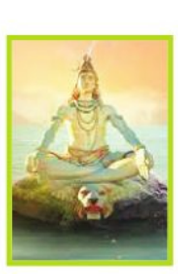

संकलित

दर्शन

शिव का मृत्युंजय मंत्र वैदिक परंपरा में सबसे प्रतिष्ठित मंत्रों में से एक है। मृत्युंजय का अर्थ है मृत्यु पर विजय। आत्मा की कोई मृत्यु नहीं है। यह एक शरीर से दूसरे शरीर में जाती है। मृत्युंजय का अर्थ है क्षणभंगुर पर मन की विजय और शाश्वत की ओर बढ़ना। जब मन को यह एहसास होता है कि मैं शाश्वत हूं। मुझमें कुछ ऐसा है जो बदल नहीं रहा है। फिर कोई भय नहीं रहता। भय मृत्यु के लक्षणों में से एक है। जब आप भय पर विजय प्राप्त करेंगे, तब नाशवान के साथ पहचान की लघु मानसिकता पर विजय प्राप्त कर लेंगे और अविनाशी की ओर बढ़ेंगे। हम इन दोनों का मिश्रण हैं। हमारी आत्मा अविनाशी है और शरीर नाशवान है। अक्सर हमारा मन नाशवान से जुड़ा होता है और उसे लगता है कि वह मर रहा है। मृत्युंजय मंत्र हमारे मन को सीमित पहचान से असीमित पहचान की ओर ले जाता है। इसमें एक प्रार्थना है- शिव मुझे सबल बनाएं। उन्हें मुझे दृढ़ बनाने दो, वह मुझे बंधन से मुक्ति दिलाएं। आमतौर पर लोग पूछते हैं कि जीवन का उद्देश्य क्या है? सृजन का उद्देश्य क्या है? यह ब्रह्मांड किसी स्थान पर जाने की यात्रा नहीं है। सृष्टि का कोई उद्देश्य नहीं है। यह मात्र चेतना का एक खेल और प्रदर्शन है। जैसे नर्तक और नृत्य अलग नहीं हो सकते, वैसे ही सृष्टि और रचयिता दो अलग वस्तुएं नहीं हैं। इस सत्य को नटराज (शिव के रूपों में से एक) के रूप में दर्शाया गया था। नटराज स्वयं चेतना हैं, उनमें पांच तत्वों को दर्शाया गया है। चेतना का नृत्य संपूर्ण ब्रह्मांड है।

कर्म महत्वपूर्ण है

संकलित

प्रेरणा

एक निक्कमे आदमी की पत्नी ने उसे घर से निकलते हुए कहा आज कुछ न कुछ कमा कर ही लौटना नहीं तो घर में नहीं घुसने दूगीं। आदमी दिन भर इधर-उधर भटकता रहा, लेकिन उसे कुछ काम नहीं मिला। निराश मन से वह जा रहा था कि उसकी नजर एक मरे हुए सांप पर पड़ी। उसने एक लाठी पर सांप को लटकाया और घर की और जाते हुए सोचने लगा, इसे देखकर पत्नी डर जाएगी और आगे से काम पर जाने के लिए नहीं कहेगीं। घर जाकर उसने सांप को पत्नी को दिखाते हुए कहा, ये कमाकर लाया हूँ। पत्नी ने लाठी को पकड़ा और सांप को घर की छत पर फेंक दिया। वह सोचने लगी कि मेरे पति की पहली कमाई जो कि एक मरे हुए सांप के रूप में मिली, ईश्वर जरुर इसका फल हमें देगें क्योकिं मैंने सुना हैं कि कर्म का महत्व होता हैं। वह कभी व्यर्थ नहीं जाता। तभी एक बाज उधर से उड़ते हुए निकला जिसने चोंच में एक कीमती हार दबा रखा था। बाज की नजर छत पर पड़े हुए सांप पर पड़ी उसने हार को वहीं छोड़ा और सांप को लेकर उड़ गया। पत्नी ने हार को पति को दिखाते हुए सारी बात बताई। पति अब कर्म के महत्व को समझ चुका था, उसने हार को बेचकर अपना व्यवसाय शुरू किया। कल का एक गरीब इन्सान आज का सफल व्यवसायी बनकर इज्जत की जिंदगी जी रहा हैं। चलने वाला मंजिल पाता, बैठा पीछे रहता हैं, ठहरा पानी सड़ने लगता, बहता निर्मल रहता हैं। पैर मिले हैं चलने को तो, पांव पसारे मत बैठो, आगे-आगे चलना हैं तो, हिम्मत हारे मत बैठो।

अंतर्मन

आज की पाती

तिलहन उत्पादन बढ़ाने पर हो अमल

प्रधानमंत्री ने भारतवासियों को खाने वाले तेल की मात्रा खाने में कम करने की अपील की है, क्योंकि इसका ज्यादा प्रयोग हमारे देश के धन को दूसरे देशों में भेजने में मदद करता है, हमारे देश में लगभग 60 प्रतिशत के करीब विदेशों से आता है, इनमें मुख्यतः ब्राजील, इंडोनेशिया आदि देश है। इसलिए सरकार ने अब देश में तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष योजनाओं को अमल में लाने पर काम शुरू कर दिया है। लेकिन सवाल तो यह है कि आज तक इसके बारे मे क्यों गंभीरता नहीं दिखाई गई? यह तभी कामयाब होगा जब कृषि विभाग, किसान इसे कामयाब करने के लिए गंभीरता दिखाएंगे, तो देश में किसी भी खाने वाले तेल के दाम आसमान न छू पाएं और इनका ज्यादा से ज्यादा निर्यात करें, जिससे भारत की आर्थिक स्थिति पर भी सकारात्मक असर पड़े और किसानों की आय भी बढ़े। - *संदीप शुक्ला, धमतरी*

ट्रेंड

विनम्र श्रद्धांजलि

'काकोरी ट्रेन एक्शन' के महानायक और स्वतंत्रता संग्राम के अमर क्रांतिकारी पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। मातृभूमि के प्रति आपका अद्वितीय समर्पण सभी को राष्ट्र सेवा के पथ पर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

- **योगी आदित्यनाथ,** सीएम, उप्र

भारत की संप्रभुता

मोदी ने भारत की संप्रभुता, सम्मान और नागरिकों की जान पूरी तरह से ट्रंप के हवाले कर दी है। भारत को एक मजबूत प्रधानमंत्री की जरूरत है। ट्रंप को हमारे देश और हमारे लोगों के साथ अपनी मर्जी से कुछ भी करने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

लाठीचार्ज बेहद शर्मनाक

राजस्थान में बिगड़ती स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर ग्रामीण कांग्रेस जिलाध्यक्ष बिशनराम और शहरी कांग्रेस जिला अध्यक्ष मदन गोपाल के नेतृत्व में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज बेहद शर्मनाक और निंदनीय है।

-**अशोक गहलोत,** पूर्व सीएम, राजस्थान

गंभीर चुनौतियां

आज देश महंगाई, बेरोजगारी, परीक्षा में धांधली और सामाजिक असमानता जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। पेपर लीक की घटनाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने लाखों युवाओं और उनके परिवारों का भरोसा डगमगा दिया है।

-**मल्लिकार्जुन खरगे,** अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

यह युद्ध का युग नहीं है विदेश मंत्री जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी संघर्षों के बीच 'संवाद और कूटनीति' को ही एकमात्र समाधान बताया और भारत के इस रुख को दोहराया कि 'यह युद्ध का युग नहीं है।'

जयशंकर ने बुधवार को अपनी बुल्गारियाई समकक्ष वेलिस्लावा पेट्रोवा-चमोवा के साथ बैठक के बाद यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा ''दुनिया इस समय अत्यंत अस्थिर और अनिश्चित दौर से गुजर रही है। कई बड़े संघर्ष जारी हैं, आर्थिक सुरक्षा को लेकर चिंताएं हैं, महामारी का हालिया अनुभव है और आतंकवाद का खतरा बार-बार सामने आ रहा है।' जयशंकर ने कहा, ''इन सभी मुद्दों पर भारत का स्पष्ट दृष्टिकोण है। हमारा मानना है कि यह युद्ध का युग नहीं है। इन संघर्षों का एकमात्र समाधान संवाद और कूटनीति है।' उन्होंने कहा कि 'ग्लोबल साउथ' की आवाज के रूप में भारत ने ऊर्जा, खाद्य और उर्वरक सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को लगातार उठाया है। 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। विदेश मंत्री ने कहा, जहां तक आर्थिक जोखिमों का सवाल है, उसका समाधान आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती तथा उसके और अधिक विविधीकरण में है।

ऑफ बीट

भोजन और दवाएं बदल सकती हैं त्वचा का रंग

जब हांगकांग में 84 वर्षीय एक व्यक्ति बढ़े हुए प्रोस्टेट के साथ अस्पताल गया, तो डॉक्टर यह देखकर चौंक गए कि उसकी त्वचा - और यहाँ तक कि उसकी आँखों का सफेद भाग भी धूसर रंग का हो गया था। ये मामले आर्गिरिया नामक स्थिति के उदाहरणों को दर्शाते हैं, जिसमें शरीर में चांदी के कण जमा हो जाते हैं। चांदी कभी अपने रोगाणुरोधी गुणों के कारण चिकित्सा उपचारों में मुख्य आधार थी। लेकिन आधुनिक साक्ष्य दर्शाते हैं कि बहुत अधिक मात्रा में इसके सेवन या अवशोषण से व्यक्ति की त्वचा में ऐसे परिवर्तन हो सकते हैं जो शायद ही कभी फीके पड़ते हैं। आर्गिरिया में, चांदी के आयन रक्तप्रवाह के माध्यम से प्रसारित होते हैं और त्वचा की ऊपरी सतह डर्मिस में समा जाते हैं। डर्मिस सतह के नीचे की एक परत है जहां शरीर उन्हें आसानी से साफ नहीं कर सकता है। यह वह परत है जिसमें टैटू पिगमेंट रहते हैं। इसी तरह की एक दुर्लभ घटना क्रिसियासिस है, जिसमें सोने का त्वचा में जमाव होता है। अतीत में पहले कभी सूजन संबंधी विकारों के लिए सोने पर आधारित उपचार किए जाते थे। कुछ मामलों में, इन उपचारों के बाद रोगियों में एक विशिष्ट भूरा या भूरा-बैंगनी रंग का विरंजन विकसित हुआ, जो आर्गिरिया की तरह, आसानी से ठीक नहीं किया जा सकता था।

नूरानी मस्जिद पर बुलडोजर कार्रवाई के विरोध में जयपुर में प्रदर्शन

जुमे की नमाज के बाद सड़कों पर उतरा मुस्लिम समाज

जयपुर । मालवीय नगर स्थित नूरानी मस्जिद पर हाल ही में हुई बुलडोजर कार्रवाई के विरोध में शुक्रवार को जयपुर में मुस्लिम समाज और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। राजस्थान मुस्लिम फोरम सहित कई मुस्लिम संगठनों की ओर से जुमे की नमाज के दौरान काली पट्टी बांधकर विरोध जताने और नमाज के बाद मस्जिदों के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की अपील की गई थी। इसके बाद शहर के विभिन्न इलाकों में लोगों ने विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन को देखते हुए जयपुर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आए। पुराने शहर, जौहरी बाजार, रामगंज, घाटगेट, मालवीय नगर और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। मस्जिदों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार पुलिस गश्त जारी रही। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में शांति व्यवस्था भंग नहीं होने दी जाएगी।

न्यायिक जांच की मांग, हाईकोर्ट जाने के संकेत

मुस्लिम संगठनों ने पूरे मामले की न्यायिक जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि निष्पक्ष जांच से ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मस्जिद के खिलाफ की गई कार्रवाई कानूनी और उचित थी या नहीं। फोरम ने संकेत दिए हैं कि वह जल्द ही इस मामले को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और अल्पसंख्यक आयोग से भी हस्तक्षेप की मांग की गई है। गौरतलब है कि सोमवार को सड़क चौड़ीकरण अभियान के तहत मालवीय नगर स्थित नूरानी मस्जिद पर बुलडोजर कार्रवाई की गई थी। इसके बाद से मामला लगातार चर्चा में है और अब यह राजनीतिक एवं सामाजिक बहस का विषय बन गया है। फिलहाल प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है और स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है।

मस्जिद को लेकर मुस्लिम संगठनों ने उठाए सवाल

राजस्थान मुस्लिम फोरम और अन्य संगठनों का आरोप है कि नूरानी मस्जिद को बिना पर्याप्त सुनवाई का अवसर दिए ध्वस्त किया गया। फोरम के पदाधिकारियों का कहना है कि मस्जिद की वैधता से जुड़े सभी दस्तावेज उनके पास मौजूद हैं। उनका दावा है कि सड़क चौड़ीकरण परियोजना के दौरान मस्जिद के एक हिस्से को सुरक्षित रखा जा सकता था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। संगठनों ने यह भी आरोप लगाया कि विकास प्राधिकरण ने कार्रवाई से पहले केवल दो दिन का समय दिया और उनकी आपत्तियों पर गंभीरता से विचार नहीं किया। इसी कारण मुस्लिम समाज में नाराजगी व्याप्त है।

ब्रीफ खबरें

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने की हरिभाऊ बागडे से शिष्टाचार भेंट की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शुक्रवार को लोकभवन में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान दोनों राज्यपालों ने राष्ट्र विकास, कृषि क्षेत्र और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। संवाद के दौरान प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों में जागरूकता बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण तथा टिकाऊ कृषि प्रणाली को प्रोत्साहित करने के प्रयासों पर विचार-विमर्श हुआ। दोनों नेताओं ने प्राकृतिक खेती को स्वस्थ समाज और आत्मनिर्भर कृषि व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी भी उपस्थित रहे। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर अपने विचार साझा किए। इससे पहले राज्यपाल बागडे ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत का लोकभवन में शॉल ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

जयपुर डेयरी को ₹133 करोड़ का बूस्टर डोज, प्रोसेसिंग क्षमता में बड़ा इजाफा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में दुग्ध उत्पादकों और उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत की खबर है। जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (जयपुर डेयरी) के प्रोसेसिंग प्लांट का ₹133 करोड़ की लागत से आधुनिकीकरण और नवीनीकरण किया गया है। अत्याधुनिक तकनीक से लैस इस प्लांट का उद्घाटन जल्द ही किया जाएगा, जिससे दूध और दुग्ध उत्पादों की आपूर्ति व्यवस्था और मजबूत होगी। डेयरी एवं पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने संयंत्र का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने प्लांट की नई तकनीक और बढ़ी हुई क्षमता की जानकारी ली तथा अधिकारियों को उद्घाटन समारोह की तैयारियां तेजी से पूरी करने के निर्देश दिए। इस दौरान आरसीडीएफ एमडी श्रुति भारद्वाज और जयपुर डेयरी एमडी मनीष फौजदार भी मौजूद रहे। मंत्री ने बताया कि आधुनिकीकरण के बाद प्लांट की दूध प्रोसेसिंग क्षमता 12 लाख लीटर से बढ़कर 20 लाख लीटर प्रतिदिन हो गई है। वहीं दूध पाउच पैकिंग क्षमता 10 लाख लीटर से बढ़कर 16.50 लाख लीटर प्रतिदिन पहुंच गई है। नई मशीनरी और आधुनिक बॉयलर सिस्टम के जरिए प्रति घंटे लगभग 70 टन भाप उत्पादन के साथ घी, बटर और अन्य दुग्ध उत्पादों का उत्पादन भी बड़े पैमाने पर किया जाएगा। इस अपग्रेड से जयपुर डेयरी अब क्षेत्रीय डेयरी उद्योग का आधुनिक मॉडल बनकर उभरेगी। अधिकारियों के अनुसार, बढ़ी हुई क्षमता से न केवल उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता का दूध मिलेगा, बल्कि ग्रामीण पशुपालकों से अधिक मात्रा में दूध खरीदी भी संभव होगी। सरकार का मानना है कि इस आधुनिकीकरण से दूध की बर्बादी कम होगी, आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी और डेयरी सेक्टर को नई गति मिलेगी।

दिया कुमारी ने पर्यटन व संस्कृति विभाग की 15 परियोजनाओं की समीक्षा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को सचिवालय में पर्यटन, कला एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग की 15 प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियाड़, उप शासन सचिव अनुपम कायल और अतिरिक्त निदेशक आनंद त्रिपाठी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने सभी परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करने और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 'राइजिंग राजस्थान' के तहत किए गए एमओयू का अधिकतम ग्राउंड ब्रेकिंग सुनिश्चित किया जाए, ताकि राज्य को पर्यटन के क्षेत्र में वैश्विक पहचान मिल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य राजस्थान को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर शीर्ष स्थान दिलाना है। बैठक में पर्यटन आयुक्त ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन प्रमोशन, डिजिटल प्लेटफॉर्म, हेरिटेज संरक्षण और आधारभूत ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। इसमें पुष्कर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट, आमेर लाइट एंड साउंड शो, टूरिज्म ऐप, महाराणा प्रताप सर्किट, वार म्यूजियम (झुंझुनूं), जयपुर 300 वर्ष पहल, RTDC प्रॉपर्टीज और आमेर मास्टर प्लान जैसी योजनाएं शामिल रहीं। इसके अलावा कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से अल्बर्ट हॉल विकास कार्य और शिल्पग्राम रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट की अद्यतन स्थिति भी प्रस्तुत की गई। दिया कुमारी ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि पर्यटन और सांस्कृतिक परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की देरी न हो और काम को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाए, ताकि राजस्थान को एक प्रमुख वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके।

एआई और फेक इन्वेस्टमेंट ऐप्स से रहें सावधान

निवेश के नाम पर बढ़ रही साइबर ठगी : राजस्थान पुलिस

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पुलिस ने आमजन को एआई और डीपफेक तकनीक के जरिए हो रही साइबर ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी है। साइबर अपराधी अब फर्जी निवेश योजनाओं और नकली ट्रेडिंग ऐप्स के माध्यम से लोगों को बड़े मुनाफे का लालच देकर लाखों-करोड़ों रुपये की ठगी कर रहे हैं। पुलिस ने कहा है कि बिना सत्यापन किसी भी ऑनलाइन निवेश प्लेटफॉर्म पर पैसा लगाने से बचें और सतर्कता को अपनी पहली सुरक्षा बनाएं। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (साइबर क्राइम) वी.के. सिंह ने बताया कि साइबर ठग मशहूर उद्योगपतियों, निवेश विशेषज्ञों और फिल्मी हस्तियों की फर्जी आवाज और वीडियो तैयार कर सोशल मीडिया पर प्रसारित करते हैं। इन वीडियो में कम समय में भारी मुनाफा कमाने के दावे किए जाते हैं और लोगों को विशेष निवेश ऐप डाउनलोड करने के लिए प्रेरित किया जाता है। पुलिस के अनुसार, ठग फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर आकर्षक विज्ञापन चलाकर लोगों को व्हाट्सएप या टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ लेते हैं। इन ग्रुपों में मौजूद अधिकांश सदस्य फर्जी अकाउंट या बॉट होते हैं, जो नकली मुनाफे के स्क्रीनशॉट साझा कर भरोसा जीतने का प्रयास करते हैं। इसके बाद लोगों को लिंक या एपीके फाइल के जरिए फर्जी ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड कराया जाता है। शुरुआत में निवेशक को ऐप पर मुनाफा दिखाई देता है, लेकिन जब वह पैसे निकालने की कोशिश करता है तो टैक्स, प्रोसेसिंग फीस या अन्य शुल्क के नाम पर अतिरिक्त राशि मांगी जाती है। अंततः ठग निवेशकों का पैसा लेकर फरार हो जाते हैं। राजस्थान पुलिस ने सलाह दी है कि केवल अधिकृत ऐप स्टोर से ही ऐप डाउनलोड करें, निवेश से पहले कंपनी का सेबी पंजीकरण जांचें और किसी अनजान व्यक्ति या खाते में पैसा ट्रांसफर न करें। साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं या 1930 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।

उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित हुए छह पुलिसकर्मी, मिला 'कांस्टेबल ऑफ द मंथ' अवॉर्ड

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने शुक्रवार को पुलिस आयुक्तालय पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट, सराहनीय, मेहनत, लगन एवं समर्पण से कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मियों को "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" अवॉर्ड से सम्मानित किया। पुलिस आयुक्त मित्तल ने कहा कि जयपुर पुलिस का ध्येय 'आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय' की भावना को साकार करना है। इसी उद्देश्य से पुलिसकर्मियों के उत्कृष्ट कार्यों को पहचान देकर सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ेगा तथा वे और अधिक लगन, मेहनत एवं समर्पण के साथ जनसेवा के लिए प्रेरित होंगे।

अपराध नियंत्रण, साइबर कार्रवाई और जनसेवा में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका:-

मई माह 2026 के "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" पुरस्कार के लिए जिला पूर्व से चिन्हित सियाराम कानि० पुलिस थाना जवाहर नगर ने सीईआईआर पोर्टल पर प्रतिदिन अपडेशन चौक कर गुम हुये 30 मोबाईलों को रिकवर कर मोबाईल धारकों को लौटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। जिला पश्चिम के राकेश कुमार कानि० पुलिस थाना भांकरोटा ने पीड़ित बुजुर्ग दम्पती के साथ हुयी वारदात में अभियुक्तों की तलाश के लिए घटनास्थल के आस-पास सीसीटीवी फुटेज, आसूचना संकलन, तकनीकी विश्लेषण कर अभियुक्त वशिम अखत्तर उर्फ गोलू व अखिल कुमार गहरीवाला, निखिल तिवाडी, उसमान गन्नी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुल 44 लाख 50 हजार रूपये व एक देशी पिस्टल, वारदात में प्रयुक्त वाहन व फिरोती के रूपये से खरीदा गया लगभग 80 हजार रूपये का सामान बरामद करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। जिला उत्तर के मंजीत कानि० पुलिस थाना माणकचौक ने साइबर अपराधियों के विरूद्व चलाए गए अभियान 'म्यूल हंटर' में म्यूल अकाउंट का तकनीकी रूप से विश्लेषण कर साइबर अपराधी मंजूर अली, जाकिर खान व प्रेम कुमार योगी को गिरफ्तार करवाने में मुख्य भूमिका निभायी तथा गुमशुदा एवं चोरी हुये मोबाईलों की रिकवरी हेतु चलाये गये विशेष अभियान के दौरान 130 गुमशुदा मोबाईलों को रिकवर कर मोबाईल धारकों को लौटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। जिला दक्षिण के लालाराम कानि० अपराध शाखा कार्यालय पुलिस उपायुक्त दक्षिण, ने दक्षिण जिले के आपराधिक आंकडों (सांख्यिकी) पीपीटी संबंधी कार्य कड़ी मेहनत व लगन से तैयार कर समय पर प्रस्तुत करने का सराहनीय कार्य किया है। राहुल कानि० यातायात दक्षिण ने यातायात के सुगम संचालन एवं आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ प्रवर्तन संबधी कार्यवाही कर सराहनीय कार्य किया। नरेन्द्र नेहरा कानि० डीआरएफ शाखा रिजर्व पुलिस लाईन, आयुक्तालय जयपुर ने वीआईपी, वीवीआईपी के आगमन पर उनकी एस्कोर्ट, पायलट, पीएसओ ड्यूटियां संबधी कार्य कड़ी मेहनत एवं लगन से सम्पादित किये।

मानव जीवन की सुरक्षा सर्वोपरि, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : डॉ. प्रेमचंद बैरवा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री एवं परिवहन तथा सड़क सुरक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा है कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकना और मानव जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसके लिए सभी विभागों एवं नागरिकों को मिलकर प्रयास करने होंगे। डॉ. बैरवा शुक्रवार को शासन सचिवालय में आयोजित स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल की 22वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उन्होंने 21वीं बैठक में लिए गए निर्णयों की प्रगति की समीक्षा की और सड़क सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं एवं गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ठोस और समयबद्ध कदम उठाए जाएं।

उपमुख्यमंत्री ने दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल सहायता और बेहतर उपचार सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने सड़क सुरक्षा नियमावली में आवश्यक संशोधन करने तथा सहायता राशि स्वीकृत करने की प्रक्रिया को सरल और त्वरित बनाने के निर्देश दिए। साथ ही सड़क सुरक्षा मित्रों को प्रोत्साहन राशि के साथ आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने को कहा। बैठक में भारी वाहन चालकों के लाइसेंस नवीनीकरण के समय विशेष प्रशिक्षण देने, स्कूलों और कॉलेजों में सड़क सुरक्षा शिक्षा को प्रभावी बनाने तथा शिक्षकों को प्रशिक्षित करने पर भी चर्चा हुई। डॉ. बैरवा ने कहा कि युवाओं में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की आवश्यकता है।

उन्होंने राज्य एवं राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थित स्कूलों, अस्पतालों, आबादी क्षेत्रों और प्रमुख जंक्शनों पर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही बसों और ट्रकों की नियमित फिटनेस जांच, चालकों के स्वास्थ्य परीक्षण और पर्याप्त विश्राम की व्यवस्था पर भी जोर दिया। डॉ. बैरवा ने मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश देते हुए बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने वाले "गुड सेमेरिटन" को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि 5 हजार रुपये से बढ़ाकर 10 हजार रुपये कर दी गई है। उन्होंने बताया कि अब तक राज्य में 340 गुड सेमेरिटन सम्मानित किए जा चुके हैं। बैठक में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) और राज्य स्तरीय सड़क सुरक्षा अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

फ्यूचरिस्टिक एप्रोच अपनाकर उत्पादन और कारोबार बढ़ाए आरएसएमएम : अपर्णा अरोरा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अतिरिक्त मुख्य सचिव, खान एवं पेट्रोलियम विभाग, श्रीमती अपर्णा अरोरा ने राजस्थान स्टेट माइंस एंड मिनरल्स लिमिटेड (आरएसएमएम) को भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खनिज उत्पादन, विपणन और वार्षिक कारोबार में वृद्धि के लिए योजनाबद्ध एवं नवाचार आधारित रणनीति अपनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यदि चालू वित्तीय वर्ष के लिए स्पष्ट रोडमैप बनाकर समयबद्ध क्रियान्वयन किया जाए तो कंपनी बेहतर परिणाम हासिल कर सकती है। शुक्रवार को सचिवालय के मंथन कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में श्रीमती अरोरा ने आरएसएमएम की विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजस्थान खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है और आरएसएमएम द्वारा रॉक फॉस्फेट, लाइमस्टोन, लिग्नाइट तथा जिप्सम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों का खनन एवं विपणन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में आरएसएमएम का

वार्षिक कारोबार लगभग 1,922 करोड़ रुपये रहा, जिसे आगामी वर्षों में और बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास आवश्यक हैं। बैठक में उन्होंने पोटाश के एक्सप्लोरेशन और संभावित खनन क्षेत्रों की पहचान पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही नए व्यावसायिक क्षेत्रों में प्रवेश की संभावनाओं का अध्ययन करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने लंबित विधानसभा प्रश्नों, ऑडिट आपत्तियों, भर्ती प्रक्रियाओं, विभागीय जांचों और पदोन्नति संबंधी मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

आरएसएमएम के प्रबंध निदेशक पी. रमेश ने बताया कि कंपनी में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) प्रकोष्ठ का गठन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य खनन क्षेत्र में नई तकनीकों का अध्ययन, शोध को बढ़ावा देना तथा बाजार की मांग और आपूर्ति का विश्लेषण करना होगा। यह प्रकोष्ठ समय-समय पर रिपोर्ट तैयार कर कंपनी को रणनीतिक सुझाव भी देगा। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान आरएसएमएम ने 70.64 लाख टन खनिजों की बिक्री की, जिसमें 41.95 लाख टन लाइमस्टोन, 17.65 लाख टन रॉक फॉस्फेट, 9.24 लाख टन लिग्नाइट और 1.80 लाख टन जिप्सम शामिल है। उन्होंने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष में कारोबार और उत्पादन दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जयपुर नगर निगम ने छोटी चौपड़ से अतिक्रमण हटवाया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देश पर शुक्रवार को सतर्कता शाखा ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। यह कार्रवाई उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में जेडीए और ट्रैफिक पुलिस के साथ संयुक्त रूप से की गई। अभियान के तहत छोटी चौपड़, चांदपोल बाजार, संजय सर्किल, संसार चंद्र रोड, 22 गोदाम पुलिया के नीचे बडोदिया बस्ती, रामगंज चौपड़, घोसियों का रास्ता, घाटगेट बाजार, बड़ी चौपड़ और जौहरी बाजार सहित कई प्रमुख इलाकों से अतिक्रमण हटाया गया। इसके अलावा सांगानेर क्षेत्र में दादूदयाल कल्याण नगर, केसर चौराहा, मुहाना मंडी रोड और त्रिवेणी चौराहा से गुर्जर की थड़ी तक सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को भी हटाया गया। कार्रवाई के दौरान 11 केन्टर सामान जब्त कर निगम के गोदाम में भिजवाया गया। साथ ही मौके पर ही 19 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज भी वसूला गया। अधिकारियों ने अतिक्रमण करने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण पाए जाने पर भारी चालान और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा ताकि शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे और आमजन को राहत मिल सके।

बिजली गुल होने से भाजपा की प्रेस कॉन्फ्रेंस चर्चा में

-मोबाइल टॉर्च की रोशनी में बोले अश्विनी वैष्णव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर जयपुर स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता उस समय चर्चा का विषय बन गई, जब कार्यक्रम के दौरान अचानक बिजली आपूर्ति ठप हो गई। हालात ऐसे बने कि केंद्रीय रेल एवं सूचना-प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव को मोबाइल फोन की टॉर्च की रोशनी में पत्रकारों के सवालों के जवाब देने पड़े। यह घटनाक्रम करीब 22 मिनट तक चला और कार्यक्रम में मौजूद नेताओं, कार्यकर्ताओं तथा पत्रकारों के बीच चर्चा का विषय बन गया। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में अश्विनी वैष्णव मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दे रहे थे। इसी दौरान अचानक बिजली चली गई और सभागार अंधेरे में डूब गया। कार्यक्रम में मौजूद राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने तुरंत अधिकारियों से संपर्क कर बिजली बहाल

कराने का प्रयास किया, लेकिन काफी देर तक आपूर्ति सामान्य नहीं हो सकी। स्थिति को देखते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कार्यक्रम को रोकने के बजाय पत्रकारों के बीच जाकर संवाद जारी रखा। मोबाइल फोन की टॉर्च जलाकर उन्होंने सवालों के जवाब दिए और सरकार की उपलब्धियों पर अपनी बात रखी। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ सहित अन्य नेता भी मौजूद रहे।

घटना पर विपक्ष और नेताओं ने साधा निशाना

ऊर्जा मंत्री की मौजूदगी में भाजपा मुख्यालय की बिजली गुल होने की घटना ने राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा छेड़ दी। विपक्षी नेताओं और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने इस घटना को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने सोशल मीडिया पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मंच पर रेल मंत्री मौजूद थे और सामने ऊर्जा मंत्री बैठे थे, लेकिन फिर भी अंधेरा छाया रहा। उन्होंने इसे प्रदेश की बिजली व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का प्रतीक बताया। बेनीवाल ने तंज कसते हुए कहा कि जहां एक ओर विकास की बातें तेज रफ्तार से की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर बिजली व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक दिखाई देती है। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद भी यह घटनाक्रम दिनभर राजनीतिक चर्चा का केंद्र बना रहा। हालांकि भाजपा नेताओं ने इसे तकनीकी समस्या बताते हुए कहा कि इससे कार्यक्रम के उद्देश्य और सरकार की उपलब्धियों पर कोई असर नहीं पड़ा।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

ब्रीफ खबरें

जिला कलक्टर ने चूरू नगरपरिषद में शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण कर देखी व्यवस्थाएं

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने शुक्रवार को चूरू नगरपरिषद कार्यालय परिसर में आयोजित शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण कर विभिन्न विभागों द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की जानकारी ली तथा आमजन को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने शिविर में स्थापित विभिन्न विभागों के काउंटरों का अवलोकन किया और वहां उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्राप्त आवेदनों, उनके निस्तारण तथा लाभार्थियों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि शहरी सेवा शिविरों का उद्देश्य आमजन को विभिन्न विभागीय सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी, कर्मचारी शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या को गंभीरता से सुनें और त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। साथ ही सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाकर उन्हें अधिकाधिक लाभान्वित करें। जिला कलक्टर ने शिविर में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले नागरिकों को योजनाओं में आवेदन, पात्रता, प्रक्रिया, दस्तावेज व सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों — निर्णयों के बारे में जागरूक किया जाए। एक्सईएन पूर्णिमा यादव ने शिविर व्यवस्थाओं की जानकारी दी। इस दौरान राजस्व, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, कृषि, पशुपालन, विद्युत, जलदाय, पंचायतीराज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों ने उपस्थित रहकर आमजन को बेहतरीन सेवाएं दीं।

दादा कायम खां के 607 वें यौम-ए-शहादत पर दुआ-ए-मगफिरत एवं सम्मान समारोह 14 जून को ददरेवा चूरू में

चूरू (रॉयल पत्रिका)। दादा कायम खां स्मृति अनुसंधान एवं विकास संस्था तथा जिला कायमखानी सभा चुरु के संयुक्त तत्वावधान में दादा कायम खां के 607 वें यौम-ए-शहादत के मौके पर ग्राम ददरेवा राजगढ़ चूरू में दुआ-ए -मगफिरत एवं सम्मान समारोह का आयोजन 14 जून 2026, रविवार को किया होगा। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि यह कार्यक्रम दादा कायम खां के जन्म स्थान "निशान-ए-कायम", ग्राम ददरेवा, तहसील राजगढ़, जिला चूरू (राजस्थान) में आयोजित होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10:00 बजे किया जाएगा, जिसमें प्रदेश व देश भर से समाज के समस्त गणमान्य नागरिक भाग लेंगे। आयोजकों के अनुसार यह कार्यक्रम वर्ष 2007 से दादा कायम खां की जन्म भूमि पर राजस्थान के कायमखानी समाज की तरफ से आयोजित किया जा रहा है। समारोह में दादा कायम खां की ऐतिहासिक एवं सामाजिक विरासत को स्मरण करते हुए (दुआ-ए-मगफिरत) श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों का सम्मान भी किया जाएगा। इस वर्ष होने वाले कार्यक्रम की खास बात यह रहेगी कि यह दोनों संस्थाएं युवाओं के लिए एक वर्ष का एजेंडा तय करेंगी तथा इतिहास व विरासत संरक्षण के लिए योजनाएं बनाई जाएगी। दोनों संस्थाओं ने आमजन से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। संस्था के सचिव मुनव्वर अली खां ने बताया कि ददरेवा चुरु में 14 जून को होने वाले कार्यक्रम को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है। इसके लिए जयपुर व ददरेवा (चूरू) में अलग-अलग भागों में तैयारी के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा कोटा शहर द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर दरगाह में विशेष दुआ का आयोजन किया

कोटा (रॉयल पत्रिका)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा शहर जिला कोटा के जिलाध्यक्ष साहिल मिर्जा के नेतृत्व में दरगाह हजरत सय्यद चिमनी वाले बाबा रहमतुल्लाह अलैह की बारगाह में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने पर भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री बनने के अवसर पर विशेष दुआ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी की लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य एवं राष्ट्र सेवा के लिए विशेष दुआ की गई। साथ ही देश की तरक्की, अमन-चैन, भाईचारे और विकसित भारत के संकल्प की सफलता की कामना की गई। जिलाध्यक्ष साहिल मिर्जा ने कहा कि देश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास, सुशासन और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित किए हैं। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा शहर जिला कोटा के जिला महामंत्री मुन्ना खान एवं सोशल मीडिया जिला सह-संयोजक हैदर अली मोहसिन खान, ज़ाकिर खान, शमीम भाई, मोबिन भाई, साहिल जावेद, जाकिर भाई (गद्दी नशीन चिमनी वाले बाबा), हसन खान, राजकुमार, अशोक कुमार, हुसैन भाई, मुश्ताक भाई एवं मोर्चा के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

ऑपरेशन जागृति- महिला सुरक्षा संकल्प एवं जागरूकता अभियान का शुभारम्भ

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन, महिला अधिकारिता एवं पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार 12 जून 2026 को ऑपरेशन जागृति- महिला सुरक्षा संकल्प एवं जागरूकता अभियान का शुभारम्भ राजकीय बांगड अस्पताल के सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी, पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। सोजत ब्लॉक की महिला अधिकारिता कविता सुपरवाईजर ने कार्यक्रम का परिचय देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालको से संबंधित अपराधों मे बीएनएस व पॉक्सो एक्ट तथा संवेधानिक एवं कानुनी अधिकारों के बारे मे जानकारी देना, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, महिला सुरक्षा, छेड-छाड, स्टॉकिंग (पीछा करना) एवं राजकॉप सिटीजन एप के बारे में आम जन में जागरूकता लाना है। जिला कलक्टर द्वारा उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को संबोधित करते हुए बताया कि इस जागृति अभियान के माध्यम से महिला सुरक्षा एवं आपराधिक गतिविधियों पर गहनता से मोनेटरिंग के साथ-साथ उनको जीवन में आगे बढने के लिए विभिन्न योजनाओं से जोडते हुए जागरूक करना तथा आगामी समय में प्रत्येक मौहल्ले व ग्राम में महिलाओं के बीच जाकर संवाद कर महिला चौपाल आयोजन के साथ-साथ उनकी समस्याओ को सुनकर त्वरित निस्तारण करना है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस कार्यक्रम के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए जिले भर में अलग-अलग अधिकारियों व कार्मिको को नियुक्त कर महिलाओं एवं बालको की सुरक्षा व जगरूकता संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन कर उन्हे गुडटच-बेडटच, आपातकालीन हेल्पलाईन नम्बर व सार्वजनिक स्थानों पर छेडछाड व अन्य अपराधों की रोकथाम करना है। इसके साथ ही प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया/सोशल मीडिया से प्रचार प्रसार

करवाकर जागरूक किया जाना है। कार्यशाला में अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक सुनील के पंवार ने वर्षपर्यंत चलने वाले इस अभियान में पुलिस प्रशासन एवं जिला विधिक सेवा प्रधिकरण, महिला एवं बाल विकास विभाग, महिला अधिकारिता व अन्य गैर सरकारी संस्थाओ के समन्वय द्वारा जिला स्तर, वृत स्तर व थाना स्तर पर आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमो की विस्तृत रूपरेखा से अवगत करवाते हुए बताया कि इस अभियान के तहत गांव, मौहल्लो में महिला चौपाल, स्कुल व कॉलेजो में प्रश्नोत्तरी/प्रतियोगिता/कार्यशाला/नुकडनाटक/जन सहभागिता/मीटिंग, मनचलो के विरूद्ध कार्यवाही, महिला सुरक्षा संबंधी सरकारी केन्द्रो एवं कार्यालयों के बारे में जानकारी एवं प्रचार-प्रसार किया जायेगा। कार्यक्रम में मंगलेश चुण्डावत वृत्ताधिकारी पाली ने एनसीएल (न्यू क्रिमिनल लॉ) से संबंधित जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि इन कानुनों को लागु करने का उद्देश्य न्याय प्रणाली को न केवल किफायती, सुलभ योग्य बनाना है, बल्कि इसे सरल, सुसंगत भी बनाना है तथा इससे महिलाओं व बच्चो के खिलाफ एफआईआर दर्ज प्रक्रिया भी सहज होगी। निरीक्षक पुलिस थानाधिकारी निरमा विश्नोई ने पॉक्सो एक्ट की जानकारी देते हुए बताया कि यदि किसी महिला एवं बालिका के साथ कोई अनहोनी होती है तो उसकी उच्च अधिकारियो द्वारा जांच करवाकर उस प्रकरण को सस्ता व सुलभ न्याय दिलवाने में पुलिस प्रशासन पूर्ण सहयोग करता है।

इसी क्रम में कालिका पेट्रोलिंग युनिट से राधारानी ने जानकारी देते हुए बताया कि यदि किसी महिला एवं बालिका के साथ में किसी भी सार्वजनिक स्थल, स्कुल व कॉलेज के आसपास यदि कोई मनचला/आवारा या असामाजिक तत्व द्वारा किसी प्रकार की अपराधिक घटना को अन्जाम देते है तो उनकी शिकायत पर त्वरित कार्यवाही की जाती है। केन्द्र प्रबंधक सखी वन स्टॉप सेन्टर देवी बामणिया द्वारा पीपीटी के माध्यम से सखी सेन्टर की कार्य प्रणाली एवं प्रदान की जाने वाली निःशुल्क सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। हेड महिला कास्टेबल पार्वती ने गरिमा हेल्प लाईन 1090, हेड कास्टेबल यशपाल ने साईबर सुरक्षा से संबंधित तथा सुमेरदान निरीक्षक पुलिस प्रभारी यातायात ने यातायात संबंधित नियमों व महिला अधिकारिता विभाग से प्रियंका व्यास ने राजस्थान सरकार द्वारा संचालित महिला से संबंधित जानकारी प्रदान की। इस कार्यशाला में अधिकारीगणों द्वारा ऑपरेशन जागृति अभियान से संबंधित एक पोस्टर का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन मांगीलाल तंवर व अनीता निपु थानाधिकारी महिला थाना पाली द्वारा किया गया और उपनिदेशक महिला अधिकारिता विभाग भागीरथ द्वारा कार्यक्रम के अंत में सभी को सफल कार्यक्रम आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यशाला में पीएमओ कैलाश परिहार, प्रधानाचार्य एएनएम सेन्टर केसी सेनी व अन्य विभागो से अधिकारीगण व गैर सरकारी संगठन से विमला मंत्री, राधेश्याम भाटी, पुष्पा परिहार तथा साथ ही कार्यक्रम में एएनएम व जीएनएम विद्यार्थीगण, साथिन व आंगनवाडी कार्यकर्ता/सहायिका उपस्थित रहे।

गोवर्धन पूजा की भक्ति में झूमा पाखर-1, श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन उमड़ा आस्था का सैलाब

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। देव बाबा मंदिर, पाखर-1 में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव के पांचवें दिन शुक्रवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा वाचक आचार्य विष्णुदत्त गोवर्धन महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत धारण करने की दिव्य लीला का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, सेवा और प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। कथा के दौरान विधि-विधान से गोवर्धन पूजा संपन्न कराई गई तथा श्रद्धालुओं ने श्रद्धाभाव के साथ गिरिराज महाराज की परिक्रमा लगाकर सुख-समृद्धि की कामना की। कथा पंडाल में भगवान के विभिन्न स्वरूपों की आकर्षक झांकियां सजाई गईं, जिन्होंने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। यह धार्मिक आयोजन स्वर्गीय किशन सिंह खटाना के पुत्र सियाराम खटाना एवं परिवारजनों की ओर से कराया जा रहा है। कथा श्रवण

के लिए दुर्धरा सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में महिला-पुरुष प्रतिदिन पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और आस्था का प्रतीक बन गई है। कथा वाचक ने अपने प्रवचन में कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में प्रेम, भाईचारा, आपसी सद्भाव और एकता की भावना को मजबूत करते हैं। भागवत कथा केवल आध्यात्मिक ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को संस्कारों और मानवीय मूल्यों से जोड़ने का भी कार्य करती है।

इस्कॉन की भागवत कथा का आज अंतिम दिन मानटाउन क्लब में उमड़े श्रद्धालु-पूज्य दयालु गौर दास प्रभु कर रहे हैं व्यास पीठ से प्रवचन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) सवाई माधोपुर के तत्वावधान में बजरिया स्थित मानटाउन क्लब में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ चल रहा है। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर भागवत कथा का श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इस दिव्य कथा का वाचन व्यास पीठ से पूज्य श्रीमान दयालु गौर दास प्रभु जी द्वारा किया जा रहा है। प्रतिदिन सायं 7:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक आयोजित कथा में भगवान के भक्ति मार्ग और सनातन संस्कृति के सनातन संस्कृति के एवं जीवन के विभिन्न आध्यात्मिक मूल्यों के महत्व का सुंदर वर्णन किया जा रहा है। पूज्य दयालु गौर दास जी ने बताया कि हमारा कुछ भी नहीं है सब भगवान का दिया हुआ है। फिर भी हम "मेरा-मेरा" करके दुखी होते हैं। अगर मन-बुद्धि-धन सब भगवान को अर्पण कर दे और

सेवा भक्ति में लगाए तो दुख खत्म हो जाएगा। मंदिर कथा कीर्तन को फिजूल खर्ची समझना गलत है क्योंकि ये मन का इलाज करते हैं। और जन्म मरण से मुक्ति देते हैं। उन्होंने बताया कि मैं और मेरा के भाव ही जीवन के दुखों का मूल कारण है। उन्होंने कहा कि सब कुछ भगवान का है पंच महाभूत से बना शरीर, ऑक्सीजन, पानी, अन्न और उसे पचाने की शक्ति भी भगवान की ही देन है। मेहनत हम करते हैं पर, धन-संपत्ति का असली मालिक भगवान ही होना चाहिए। जीवन का कल्याण ही सच्चा सत्कर्म है। और यह केवल हरि कथा-कीर्तन से संभव है। इसलिए दान भगवत प्रचार और भागवत कार्यों में ही लगाना चाहिए। प्रभु जी ने भक्ति और मुक्ति के अंतर को भी समझाया। उन्होंने कहा कि वैष्णव भक्त ब्रह्म में लीन होकर मुक्ति नहीं जाते बल्कि जन्म-जन्मान्तर तक भगवान की दास बनकर सेवा करना चाहते हैं। प्रभु जी ने शंकराचार्य के भज-गोविंद स्त्रोत का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि सभी को बैठकर हरे कृष्ण का जप करना चाहिए और गोविंद का भजन कर लो। केवल संस्कृत पढ़ने और पंडित बनने से कोई लाभ नहीं होगा बुढ़ापे में व्याकरण रटोगे तो भगवत प्राप्ति नहीं होगी। कथा के दौरान भजन कीर्तन और आध्यात्मिक प्रसंगों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इस्कॉन सवाई माधोपुर के अनुसार कथा का आयोजन प्रतिदिन 7:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक मानटाउन क्लब, बजरिया में किया जा रहा है आज श्रीमद् भागवत कथा का अंतिम दिवस होगा आज पूर्णाहुति के साथ महा आरती एवं विशाल भंडारे-महाप्रसाद का आयोजन होगा। इस्कॉन सवाई माधोपुर ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि वह अंतिम दिवस की कथा में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करें।

माधोराजपुरा में मंत्रालयिक कर्मचारियों ने ग्रामीण सेवा शिविर-2026 के बहिष्कार का सौंपा ज्ञापन

रेनवाल मांजी (रॉयल पत्रिका)। पंचायती राज संस्थाओं के मंत्रालयिक कर्मचारियों द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर चलाए जा रहे प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत पंचायत समिति माधोराजपुरा के ब्लॉक अध्यक्ष पप्पू लाल जाट के नेतृत्व में कर्मचारियों ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद जयपुर के नाम विकास अधिकारी, पंचायत समिति माधोराजपुरा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि प्रदेश स्तरीय आह्वान पर मंत्रालयिक कर्मचारी आंदोलनरत हैं। वर्तमान में 16 जून 2026 तक मध्यान्ह पश्चात आधे दिन के कार्य बहिष्कार का कार्यक्रम चल रहा है। इसके अलावा आगामी चरणों में 6 जुलाई 2026 को मुख्यमंत्री

आवास घेराव तथा 7 जुलाई 2026 को जयपुर के आमेर जलमहल में जल समाधि कार्यक्रम प्रस्तावित है। कर्मचारियों ने कहा कि आंदोलन के दौरान उनकी ड्यूटी "ग्रामीण सेवा शिविर-2026" में लगाई जा रही है, जबकि प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार मंत्रालयिक कर्मचारी इन शिविरों का पूर्ण बहिष्कार करेंगे। कर्मचारियों ने प्रशासन को इसकी सूचना देते हुए ज्ञापन के माध्यम से अपने निर्णय से अवगत कराया। इस अवसर पर मंत्रालयिक कर्मचारियों ने अपनी मांगों के शीघ्र समाधान की मांग करते हुए कहा कि मांगें पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

मक्का मदीना में देश की खुशी और अमन चैन की मांगी दुआएं

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मक्का-मदीना की पवित्र हज यात्रा पूरी कर वतन लौटे चूरू के स्वीट गारमेंट व्यवसायी हाजी इदरीश खान दौलतखानी का शुक्रवार को शहर की नई सड़क पर भव्य स्वागत किया गया। चूरू नगर परिषद के पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया के नेतृत्व में व्यापारियों एवं आमजन ने मालाएं पहनाकर और पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर गोविंद महनसरिया ने कहा कि हज यात्रा हर किसी के नसीब में नहीं होती और यह अल्लाह की विशेष कृपा का प्रतीक है। उन्होंने हाजी इदरीश खान को सफल हज यात्रा पूरी करने पर शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की। हाजी इदरीश खान दौलतखानी ने बताया कि

उन्होंने अपनी माता के साथ मक्का-मदीना में हज की सभी रस्में अदा कीं। इस दौरान उन्होंने देश में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं मांगी। उन्होंने कहा कि भारत निरंतर तरक्की करे, सभी लोग स्वस्थ एवं सुरक्षित रहें और देश विकास के पथ पर आगे बढ़ता रहे, यही उनकी प्रार्थना रही। स्वागत समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने हाजी इदरीश खान को हज यात्रा की मुबारकबाद देते हुए उनके अनुभव भी सुने। इस अवसर पर गोविंद महनसरिया के साथ मुंशी खान चांदखानी, मनोज महनसरिया एडवोकेट, नवाब खान दौलतखानी (सेवानिवृत्त रेल चालक), ईद्रू खान फतेहखानी, जाकिर खान, परमेश्वर रेगर, योगेश शर्मा, शिवम सोनी, ललित मेघवाल, मोहन टेलर, कालूराम महर्षि, शाहरुख लोहार और लतीफ खान सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चूरू ने लगाए जागरूकता शिविर, 'न्याय की झोपड़ी' रही विशेष आकर्षण

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (रालसा) जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) चूरू के सचिव के निर्देशानुसार, 'विश्व बाल श्रम निषेध दिवस' के अवसर पर चूरू जिले भर में सघन विधिक साक्षरता और जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य समाज से बाल श्रम जैसे गंभीर अपराध का उन्मूलन करना और आमजन को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना था।

'न्याय की झोपड़ी' बनी आकर्षण का केंद्र

आयोजित किए गए इन शिविरों में 'न्याय की झोपड़ी' का अभिनव प्रयोग विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। 'न्याय की झोपड़ी' के माध्यम से एक ऐसा सहज और सुलभ वातावरण तैयार किया गया, जहां आम नागरिक, बच्चे और बड़े बिना किसी झिझक के अपनी बात रख सकें और कानून को सरल भाषा में समझ सकें। इस अनूठी पहल ने ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा और विधिक जानकारी को उन तक पहुँचाने में एक प्रभावी माध्यम साबित हुई। नालसा (NALSA) की 'मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा योजना' पर विशेष चर्चा शिविर के दौरान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) द्वारा संचालित "बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए योजना" पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। पैरा लीगल वॉलंटियर्स (PLVs) ने उपस्थित जनों को बताया कि: इस योजना का मुख्य उद्देश्य बच्चों के अनुकूल कानूनी और न्यायिक

प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना है, ताकि बच्चे कानूनी प्रक्रियाओं से घबराएं नहीं। बाल श्रम से मुक्त कराए गए बच्चों, शोषित और संकटग्रस्त बच्चों को त्वरित, मुफ्त और प्रभावी विधिक सहायता प्रदान करना इस योजना का अहम हिस्सा है। यह योजना बच्चों के समुचित संरक्षण, उनके पुनर्वास (Rehabilitation) और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए एक मजबूत सुरक्षा चक्र प्रदान करती है। बाल श्रम एक दंडनीय अपराध जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित इन शिविरों में पैरा लीगल वॉलंटियर्स (PLVs) द्वारा बच्चों और वयस्कों को विधिक रूप से साक्षर किया गया। उपस्थित लोगों को बताया गया कि बाल श्रम न केवल एक सामाजिक बुराई है, बल्कि एक संज्ञेय अपराध भी है। बच्चों के लिए शिक्षा का अधिकार (RTE) सर्वोपरि है, और उनके हाथों में औजार की जगह किताबें होनी चाहिए। यदि कोई भी व्यक्ति किसी व्यावसायिक प्रतिष्ठान पर बच्चों से मजदूरी करवाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है।आमजन से की गई अपील जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने अपने संदेश में स्पष्ट किया कि बालकों का स्थान कार्यस्थल पर नहीं, बल्कि विद्यालयों में है। शिविर के माध्यम से आमजन से यह अपील की गई कि बाल श्रम उन्मूलन केवल एक दिन का कार्य नहीं है, बल्कि यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि कहीं भी कोई बच्चा मजदूरी करते हुए पाया जाता है, तो तुरंत चाइल्ड हेल्पलाईन (1098) या स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दें।शिविर में इनकी रही प्रमुख उपस्थिति इन जागरूकता शिविरों को सफल बनाने और आमजन तक कानूनी जानकारी पहुँचाने में पैरा लीगल वॉलंटियर्स (PLVs) की अहम भूमिका रही। इस अवसर पर पैरा लीगल वालंटियर खुशी सैनी, विक्रम प्रजापत, रामावतार शर्मा, शाहिदा बानो, सुमन शर्मा आदि मौजूद रहे और लोगों को जागरूक किया।

शीतल मीणा की मौत के बाद दूसरा सदमा, उप कोषाधिकारी मनोज मीणा ने लगाई फांसी

-सुसाइड नोट में तहसीलदार समेत दो पर लगाए गंभीर आरोप

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। दौसा जिले के सिकराय उपखंड मुख्यालय स्थित उपकोष कार्यालय में कनिष्ठ लेखाकार शीतल मीणा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के महज एक दिन बाद एक और सनसनीखेज घटनाक्रम सामने आया। उप कोषाधिकारी मनोज कुमार मीणा ने महवा के मंडावर रोड स्थित अपने आवास पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। मृतक मनोज मीणा अपने पीछे एक कथित सुसाइड नोट छोड़ गए हैं, जिसमें उन्होंने अपनी मौत के लिए लालपुर निवासी अरुण मीणा, जो वर्तमान में भुसावर तहसीलदार के पद पर कार्यरत हैं, तथा उनके रिश्तेदार सोनू मीणा को जिम्मेदार ठहराया है। सुसाइड नोट सामने आने के बाद मामला और भी गंभीर हो गया है।

शीतल मीणा की मौत के बाद तनाव में थे मनोज

जानकारी के अनुसार, सिकराय उपकोष कार्यालय में कार्यरत कनिष्ठ लेखाकार शीतल मीणा की बुधवार को ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें पहले उप जिला अस्पताल और बाद में जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके बाद शीतल मीणा के भाई मोहनलाल मीणा ने मानपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए उप कोषाधिकारी मनोज मीणा और कार्यालय स्टाफ पर प्रताड़ना तथा किसी पेय पदार्थ में जहर देने के आरोप लगाए थे। परिजनों का कहना है कि इन आरोपों के बाद मनोज मीणा गहरे मानसिक तनाव

में थे। उन्होंने अपने परिवार और ससुराल पक्ष के लोगों को बताया था कि उन्हें लगातार धमकियां दी जा रही हैं और उन्हें झूठे मामले में फंसाने की बात कही जा रही है।

सुसाइड नोट में लिखे आखिरी शब्द

परिजनों के अनुसार, मनोज मीणा ने अपने पिता के नाम लिखे सुसाइड नोट में लिखा कि, "पापा, मेरी मौत के जिम्मेदार अरुण लालपुर और उसका जीजा सोनू हैं।" नीचे उन्होंने अपने हस्ताक्षर भी किए। पुलिस अब इस कथित सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग और अन्य साक्ष्यों का मिलान कराने की तैयारी कर रही है।

शव लेने से किया इनकार, अस्पताल में हुआ विरोध

मनोज मीणा की मौत की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन और समाज के लोग महवा जिला अस्पताल पहुंच गए। परिजनों ने सुसाइड नोट के आधार पर आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और विरोध जताया। मामले की गंभीरता को देखते हुए बालाहेड़ी, मंडावर, सलेमपुर थाना प्रभारी सहित मानपुर सीओ जिला अस्पताल पहुंचे। बाद में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकरलाल मीणा भी मौके पर पहुंचे। वहीं महवा विधायक राजेंद्र मीणा ने भी अस्पताल पहुंचकर परिजनों से बातचीत की।

जल्द कार्रवाई का दिया आश्वासन

पुलिस प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि सुसाइड नोट सहित सभी साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आश्वासन के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए। मेडिकल बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस संबंध में मृतक के भाई विक्रम सिंह मीणा ने मामला दर्ज कराया है और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

घर में अकेले थे मनोज

परिजनों के अनुसार, घटना के समय मनोज मीणा घर में अकेले थे, जबकि उनकी पत्नी पीहर गई हुई थीं। शुक्रवार सुबह पत्नी ने कई बार फोन किया, लेकिन जवाब नहीं मिला। इसके बाद किराएदार से संपर्क किया गया। किराएदार ने कमरे में जाकर देखा तो मनोज मीणा पंखे से फंदे पर लटके मिले। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

ब्रीफ खबरें

मोहर्रम पर्व पर निकलने वाले ताजियों के जुलूस हेतु लाइट एवं सफाई व्यवस्था की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

कोटा (रॉयल पत्रिका) आगामी मोहर्रम पर्व के अवसर पर निकलने वाले ताजियों के जुलूस को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग कोटा शहर अध्यक्ष मोहम्मद जुबेर के नेतृत्व में नगर निगम कोटा आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर मार्गों पर समुचित लाइट एवं सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि मोहर्रम के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु ताजियों के जुलूस में शामिल होते हैं। ऐसे में जुलूस मार्गों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, नालियों की सफाई तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है, ताकि किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से मांग की कि जुलूस के निर्धारित मार्गों का पूर्व निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी की जाएं। साथ ही खराब स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त करने एवं सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की भी मांग की गई। इस दौरान उपाध्यक्ष नावेद खान, महासचिव साहिल शेरी, साजिद खान, शाकिर अंसारी, कलीम अंसारी, सचिव शेख इस्माइल, इकबाल हुसैन, मो. कदीर, शादाब शेख, हसन अली, वरिष्ठ कांग्रेसी हाकिम अब्बासी मौजूद रहे।

राजपुरोहित ने किया लेबोरेटरी टेक्नीशियन पद का पदभार ग्रहण

पाली (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत बांगड़ हॉस्पिटल, पाली के ब्लड बैंक में लेबोरेटरी टेक्नीशियन पद पर चैनसिंह राजपुरोहित केसरिया ने शुक्रवार को विधिवत जॉइनिंग की गई। राजपुरोहित को लेबोरेटरी टेक्नीशियन पद पर यह जॉइनिंग एमओआईसी ब्लड बैंक डॉ. एम.एल. सिरवी एवं इंचार्ज ब्लड बैंक जोगसिंह राठौड़ तथा धर्मवीर सिंह की उपस्थिति में दिलवाई गई। चैनसिंह राजपुरोहित केसरिया ने अपने पिता अधिवक्ता रेवत सिंह केसारिया एसपीपी, एनसीबी पाली का आशीर्वाद लेकर कार्यभार ग्रहण किया।

साथ ही एडवोकेट जगदीश सिंह, राकेश सिंह लाम्बिया, चेतन सिंह एवं अधिवक्ता पदम सिंह केसारिया भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। राजपुरोहित की इस उपलब्धि पर समस्त केसरिया परिवार में हर्ष का माहौल है। उपस्थित गणमान्य जनो द्वारा राजपुरोहित को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की है।

नेत्रदान से दो दृष्टिहीनों के जीवन में फैलेगा उजियारा

स्वर्गीय विमल कुमार जैन के परिजनों ने निभाई मानवता की मिसाल

शब्बीर हुसैन

बारां(रॉयल पत्रिका) । न्यू जैन कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास निवासी विमल कुमार जैन पुत्र स्वर्गीय हरिश्चंद्र जैन के आकस्मिक निधन के उपरांत उनके परिजनों द्वारा नेत्रदान करवाकर मानव सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया गया। स्वर्गीय विमल कुमार जैन के पुत्र ऋषभ जैन ने नेत्रदान की इच्छा पत्रकार अमित जैन को व्यक्त की। इस पर अमित जैन ने तत्काल शाइन इंडिया फाउंडेशन के बारां संयोजकों से संपर्क स्थापित किया। सूचना मिलते ही कोटा से डॉ. कुलवंत गौड़ एवं उनकी विशेषज्ञ टीम बारां पहुंची और लगभग एक घंटे के भीतर नेत्रदान की संपूर्ण प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न कराई। स्वर्गीय श्री विमल कुमार जैन मूल रूप से मध्यप्रदेश के बड़े गांव,

मुरार (ग्वालियर) के निवासी थे, किंतु पिछले दस वर्षों से अधिक समय से बारां में निवास कर रहे थे। इस पुण्य कार्य के लिए उनके पुत्र ऋषभ जैन, पुत्री श्रीमती वर्षा जैन तथा कोलकाता निवासी दामाद अंकित जैन ने अपनी सहमति प्रदान कर सामाजिक दायित्व का उत्कृष्ट परिचय दिया। नेत्रदान के माध्यम से मृत्यु के पश्चात भी किसी दृष्टिहीन व्यक्ति को नई रोशनी प्रदान की जा सकती है। यह कार्य समाज में सेवा, संवेदना और मानवता का संदेश देता है तथा अन्य परिवारों को भी नेत्रदान के लिए प्रेरित करता है। भारत विकास परिषद, बारां द्वारा विगत चार वर्षों से नेत्रदान, अंगदान एवं देहदान के प्रति जनजागरण का व्यापक अभियान संचालित किया जा रहा है। परिषद एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रयासों से अब तक 80 से अधिक नेत्रदान संपन्न हो चुके हैं, जिनसे लगभग 150 से अधिक दृष्टिहीन व्यक्तियों को नेत्र ज्योति प्राप्त करने का अवसर मिला है। समाज के प्रबुद्धजनों ने स्वर्गीय विमल कुमार जैन के परिजनों द्वारा लिए गए इस प्रेरणादायक निर्णय की सराहना करते हुए इसे मानव सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

बालश्रम मुक्त चित्तौड़गढ़ के लिए सभी विभाग समन्वित रूप से करें कार्य - जिला कलक्टर

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। विश्व बालश्रम निषेध दिवस के अवसर पर जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने जिले को बालश्रम मुक्त बनाने के उद्देश्य से संबंधित विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से समन्वित रूप से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और बेहतर भविष्य उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। जिला कलक्टर ने शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट परिसर में बाल अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित "बालश्रम मुक्त चित्तौड़गढ़ अभियान" के पोस्टर का विमोचन किया तथा बालश्रम निषेध संकल्प हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान में स्वयंसेवी संस्थाओं, समाजसेवियों एवं जनप्रतिनिधियों का सहयोग लेते हुए नियमित रूप से जनजागरूकता एवं

रेस्क्यू अभियान संचालित किए जाएं, ताकि जिले का कोई भी बच्चा बालश्रम से जुड़ा न रहे। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि चिन्हित एवं रेस्क्यू किए गए सभी बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ते हुए विद्यालयों में प्रवेश दिलाना सुनिश्चित किया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर और सशक्त भविष्य की ओर अग्रसर हो सकें। सहायक निदेशक ओम प्रकाश तोषणीवाल ने बताया कि जिला कलक्टर ने बालश्रम निषेध संकल्प फ्लेक्स पर हस्ताक्षर कर अभियान की शुरुआत की तथा सभी अधिकारियों एवं उपस्थितजनों ने भी बालश्रम उन्मूलन के लिए संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद विनय पाठक, अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) दिनेश कुमार धाकड़, अतिरिक्त जिला कलक्टर (भू-अभिलेख) रामचन्द्र खटीक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकुल शर्मा, उपखंड अधिकारी बीनू देवल, कोषाधिकारी दिग्विजय सिंह झाला, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद दशोरा, बाल वरिष्ठ लेखाधिकारी राघव शर्मा, अधीक्षक राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह चन्द्रप्रकाश जीनगर, नवीन, करण राहुल सिंह, नानूराम, केस वर्कर सीमा राजोरा, इरफान, आशीष रामगोपाल ओझा, राकेश व्यास सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

मोदी सरकार के फैसले से चमके शुगर स्टॉक्स, शेयरों ने भरी उड़ान

नईदिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार ने 22 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक एथेनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल को एक्साइज ड्यूटी से छूट देने का फैसला किया है। सरकार के इस कदम से एथेनॉल उत्पादन से जुड़ी चीनी कंपनियां निवेशकों के रडार पर हैं और उनमें तेजी नजर आ रही है। बलरामपुर चीनी मिल्स के शेयर 2 प्रतिशत से अधिक उछलकर 548.55 रुपये पर पहुंच गए हैं। श्री रेणुका शुगर्स के शेयर भी हरे निशान पर हैं और ये करीब 22 रुपये पर पहुंच गए हैं। धामपुर शुगर मिल में 2.12 प्रतिशत की तेजी है और यह 144.32 रुपये पर पहुंच गया है। बजाज हिन्दुस्तान में तेजी है और यह 18.90 रुपये पर है। डालमिया भारत में 1.12 प्रतिशत की तेजी है। यह 334.35 रुपये पर पहुंच चुका है। बता दें धामपुर चीनी मिल्स,त्रिवेणी इंजीनियरिंग एवं उद्योग समेत कई कंपनियों ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी डिस्टिलरी क्षमता बढ़ाने में बड़ा निवेश किया है। यदि ऑयल मार्केटिंग कंपनियां ज्यादा एथेनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल की खरीद बढ़ाती हैं, तो इन कंपनियों की एथेनॉल बिक्री और आय में बढ़ोतरी हो सकती है। यह कदम भारत को आयातित क्रूड ऑयल पर निर्भरता घटाने और बायोफ्यूल को बढ़ावा देने की रणनीति का हिस्सा है। गुणवत्ता मानक जारी कर दिए हैं, जो 15 मई 2026 से लागू हुए। इनमें एथेनॉल प्रतिशत, ऑक्टेन लेवल, सल्फर मात्रा और सुरक्षा मानक तय किए गए हैं।

2 बार बढ़ेगा डीए... 8वें वेतन आयोग से पहले केंद्रीय कर्मचारियों के लिए खुशखबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कर्मचारियों को आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों का बेसब्री से इंतजार है। हालांकि, वेतन आयोग की सिफारिशों से पहले केंद्रीय कर्मचारियों को 2 बार महंगाई भत्ता यानी डीए बढ़ोतरी का तोहफा मिलने वाला है। दरअसल, आठवें वेतन आयोग को अपनी सिफारिशें सरकार को सौंपने के लिए 18 महीने का वक्त मिला है। ये 18 महीने की अवधि साल 2027 की पहली छमाही तक पूरी होने वाली है। ऐसे में आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों के आने से पहले सरकार को दो बार डीए बढ़ोतरी करनी है। ये बढ़ोतरी जुलाई से दिसंबर छमाही और जनवरी से जून छमाही के लिए की जाएगी। ताजा महंगाई आंकड़ों के आधार पर जुलाई से दिसंबर 2026 छमाही के लिए केंद्रीय कर्मचारियों के डीए में 3 प्रतिशत तक बढ़ोतरी होने की संभावना जताई जा रही है।

शॉर्ट-कट नहीं, बरगद जैसा बनने की चाहत थी, छोड़ दी सरकारी नौकरी, बना डाला 150 करोड़ का ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी। डॉ. हिमांशु गांधी चंडीगढ़ के रहने वाले हैं। उन्होंने बेहद सफल स्टार्टअप खड़ा कर दिया है। इसका नाम 'मदर स्पर्श' है। अपने आइडिया पर उन्हें इतना यकीन था कि सरकारी नौकरी छोड़ने में भी वह तनिक नहीं झिझके। जबकि उनके इस फैसले ने घर वालों की टेंशन बढ़ा दी थी। हिमांशु को इंटरनेट का शॉर्ट-कट नहीं, बल्कि बरगद जैसा बनने की चाह थी। उनकी कंपनी बेबी केयर प्रोडक्ट बनाती है। आइए, यहां हिमांशु की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

लीक से हटकर लिया फैसला

डॉ. हिमांशु गांधी ने साल 2018-19 के आसपास एक बेहद लीक से हटकर फैसला लिया। इसी के बाद उनके स्टार्टअप की शुरुआत हुई। उन्होंने सरकारी सेक्टर में सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव पोजिशन को अलविदा कह दिया। इसे समाज में सुरक्षा और प्रतिष्ठा की अक्सर गारंटी माना जाता है। शुरुआत में इस फैसले से घर में थोड़ी हिचकिचाहट और चिंता का माहौल था। लेकिन, हिमांशु को अपने आइडिया पर बहुत ज्यादा यकीन था। खास बात यह है कि उन्होंने इस कंपनी की शुरुआत अपने खुद के पेरेंटहुड के एक्सपीरियंस से भावुक होकर नहीं की। इसके बजाय एक सोची-समझी कमर्शियल स्ट्रेटेजी के तहत की थी।

मार्केट में इस 'गैप' को देखा: उन्होंने देखा कि भारतीय बेबी केयर मार्केट में एक बड़ा 'गैप' है। एक ऐसे प्रीमियम भारतीय ब्रांड की कमी है जो विशेष रूप से भारत के मौसम,

यहां के वातावरण और भारतीय बच्चों की संवेदनशील त्वचा को ध्यान में रखकर उत्पाद तैयार करे। हिमांशु का मानना था कि बेबी केयर सेगमेंट कोई ऐसा बाजार नहीं है जहां ग्राहक बिना सोचे-समझे या सिर्फ आकर्षक पैकेजिंग और तेज खुशबू देखकर जल्दबाजी में खरीदारी करें। माता-पिता अपने नवजात शिशुओं के लिए सिर्फ सुरक्षा और विश्वसनीयता चाहते हैं।

शार्टकट के बजाय सोची-समझी रणनीति पर चले: इसी सोच के साथ मार्केटिंग के चकाचौंध भरे शॉर्टकट अपनाने के बजाय हिमांशु ने डॉक्टरों के सुझाए तरीकों और पीढ़ियों से चले आ रहे पारंपरिक घरेलू नुस्खों से प्रेरणा ली। उन्होंने आधुनिक क्वालिटी स्टैंडर्ड्स के साथ इन पारंपरिक उपायों को मिलाया।

विज्ञापनों पर पैसा बहाने के बजाय व्यावहारिक रास्ता चुना

महंगे विज्ञापनों पर पैसे पानी की तरह बहाने के बजाय कंपनी ने बेहद व्यावहारिक रास्ता चुना। उन्होंने अस्पतालों में सैंपलिंग और जमीनी स्तर पर आउटरीच प्रोग्राम शुरू किए। नए माता-पिता को सीधे अपने प्रोडक्ट्स के सैंपल देकर आजमाना और उनके वास्तविक फीडबैक के दम पर आगे बढ़ना ही इस स्टार्टअप की सबसे बड़ी ताकत बनी। विज्ञापन की जगह माउथ-पब्लिसिटी ने ब्रांड की साख को मजबूत किया। जमीन से जुड़कर काम करने की यह स्ट्रेटेजी कामयाब रही। देखते ही देखते स्टार्टअप ने देश के प्रीमियम और टॉक्सिन-फ्री बेबी केयर स्पेस में अपनी मजबूत और अलग पहचान बना ली।

150 करोड़ से ज्यादा का रेवेन्यू किया हासिल

स्टार्टअप की सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 तक कंपनी ने 150 करोड़ रुपये से ज्यादा का रेवेन्यू पार कर लिया। इतना ही नहीं, 2025-26 में कंपनी नए सेक्टर्स और नए बाजारों में विस्तार के साथ 40 से 50 फीसदी की भारी ग्रोथ का लक्ष्य लेकर चल रही है। अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 49.3 प्रतिशत कर ली है।

स्किन - हाउस ऑफ टाइटन और विवांता ने आधुनिक हॉस्पिटेलिटी को नया आयाम देने के लिए की साझेदारी

मुंबई, एजेंसी। इंद्रियों को छूने वाली कहानी कहने की कला के माध्यम से आधुनिक हॉस्पिटेलिटी को नया आयाम देते हुए, टाइटन कंपनी लिमिटेड के प्रीमियम फ्रैगरेन्स पोर्टफ़ोलियो स्किन-हाउस ऑफ टाइटन ने इंडियन होटल्स कंपनी के बोन विवंत ब्राण्ड विवांता के साथ सामरिक साझेदारी की घोषणा की है।

इस साझेदारी के तहत विवांता की प्रॉपर्टी में चैक-इन करने वाले मेहमानों का स्वागत खासतौर पर तैयार की गई स्किन फ्रैगरेन्स वायल्स के साथ किया जाएगा- इन ट्रैवल फ्रेंडली शीशियों को संग्रह करके रखा जा सकता है, इस तरह ये फ्रैगरेन्स मेहमानों के चैक-इन के अनुभव को यादगार अहसास में बदल देंगे, इस कलेक्शन में आज के 'पुरूषों' और 'महिलाओं' की पसंद के अनुरूप पेश किए गए फ्रेगरेन्स हैं।

इस साझेदारी के ज़रिए, स्किन-हाउस ऑफ टाइटन, विवांता में स्टे करने वाले मेहमानों के लिए खुशबू का एक नया पहलू लेकर आए हैं। जो मेहमानों के साथ शुरूआती जुड़ाव को ही शानदार बना देगा और पर्सनल फ्रैगरेन्स से आगे बढ़कर, सोच-समझकर तैयार की गई जीवनशैली का अनूठा अनुभव भी प्रदान करेगा। ये फ्रेगरेन्स खास तौर पर आज के युवा यात्रियों को ध्यान में रखकर तैयार की गई हैं। वहीं विवांता के लिए, यह पहल बेहतर सर्विस के साथ मेहमानों को आनंददायी अनुभव प्रदान करने की कोशिश को और मज़बूत बनाती है। टाइटन कंपनी लिमिटेड के फ्रैगरेंस और फैशन एक्सेसरीज़ के सीईओ श्री मनीष गुप्ता ने कहा, ''स्किन-हाउस ऑफ़ टाइटन में, हमारे लिए फ्रैगरेंस एक व्यक्तिगत एक्सेसरी से कहीं बढ़कर है, यह स्टोरीटैलिंग का माध्यम है, जो भावनाओं को आकार देने और यादों को संजोने की क्षमता रखता है। आज हॉस्पिटेलिटी का अनुभव गहरा और इंद्रियों को छूने वाला बन रहा है, ऐसे में विवांता के साथ यह साझेदारी हमारे लिए और भी खास हो जाती है। इसके ज़रिए हम मेहमानों के चैक-इन के पलों में यादगार खुशबू को शामिल कर देते हैं, इस तरह यह अनुभव उनके लिए यादगार बन जाता है। यह बेहतरीन परफ्यूम को सिर्फ शीशियों तक सीमित न रखकर रोज़मर्रा के अनुभवों में शामिल करने के लिए एक सोच-समझकर उठाया गया कदम है। आईएचसीएल के सीनियर वाइस प्रेज़ीडेंट तजिंदर सिंह ने कहा, ''स्किन-हाउस ऑफ टाइटन के साथ यह साझेदारी विवांता के मेहमानों को खास अनुभव प्रदान करेगा। यह एक सोच-समझकर किया गया बदलाव मेहमानों के लिए चैक-इन को यादगार बना देगा। इस तरह की साझेदारियों हमें ब्राण्ड को अनूठे तरीके से पेश करने का मौका देती हैं। स्किन फ्रेगरेन्स की शीशियां देश भर में विवांता की प्रॉपर्टीज़ में उपलब्ध होंगी, जो इनोवेशन, डिज़ाइन एवं मेहमानों के अनुकूल अनुभव के लिए दोनों ब्राण्ड्स की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

एक स्टोर से सौ स्टोर्स तक: भारत में अपनी रिटेल यात्रा का जश्न मना रही यूनिकॉर्न इन्फोसॉल्यूशंस

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी एप्पल प्रीमियम पार्टनर यूनिकॉर्न इन्फोसॉल्यूशंस ने आज अपने 100वें एप्पल मोनो ब्रांड स्टोर का ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया। यह उपलब्धि दो दशकों से अधिक की सतत वृद्धि और देशभर में ग्राहकों को सर्वोत्तम एप्पल उपलब्ध कराने की गहरी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

यह यात्रा 2006 में उस समय शुरू हुई जब यूनिकॉर्न ने अहमदाबाद में अपना पहला स्टोर खोला। तब से इस कंपनी ने पूरे उत्तर और पश्चिम भारत में अपनी उपस्थिति बढ़ाते हुए मजबूत स्थिति का निर्माण किया है। अब यह 9 राज्यों में 49 शहरों में परिचालन कर रही है। वृद्धि के अगले चरण के तहत यूनिकॉर्न का लक्ष्य अपने रिटेल एवं सर्विस नेटवर्क में सतत निवेश के बल पर अगले तीन वर्षों में अपना विस्तार कर स्टोर्स की संख्या 150 पर पहुंचाने का है।

सालाना 3,700 करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार और 1,500 से अधिक पेशेवरों की टीम के साथ यूनिकॉर्न इन्फोसॉल्यूशंस निरंतर भारत के सबसे बड़े एप्पल प्रीमियम पार्टनर के तौर पर अपनी स्थिति मजबूत कर रही है और देशभर में ग्राहकों के लिए प्रीमियम टेक्नोलॉजी का अनुभव उपलब्ध करा रही है।

पिछले दो दशकों से अधिक समय में यूनिकॉर्न ने जानकार, प्रशिक्षित कर्मचारियों और समग्र आफ्टर सेल्स सपोर्ट के जरिए ग्राहकों तक एप्पल का पारितंत्र सुलभ कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इसके आफ्टर सेल्स सपोर्ट ने उत्कृष्ट सेवाओं को

लेकर इस कंपनी को शानदार प्रतिष्ठा दिलाई है। यूनिकॉर्न पूरे महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और गोवा में एप्पल मोनो ब्रांड स्टोर्स और एप्पल अधिकृत सेवा केंद्रों का परिचालन करती है। इस अवसर पर यूनिकॉर्न इन्फोसॉल्यूशंस के निदेशक बलजिंदर पॉल सिंह ने कहा, 100 स्टोर्स का कीर्तिमान हासिल करना यूनिकॉर्न में हम सभी के लिए गर्व का क्षण है और यह पिछले दो दशकों में हमारे ग्राहकों, साझीदारों और कर्मियों द्वारा हमारे ऊपर भरोसे को दर्शाता है। हमारे ग्राहकों तक सर्वोत्तम एप्पल लाने के लिए एक विजन के तौर पर शुरू हुई यह यात्रा इस देश के सबसे व्यापक रिटेल नेटवर्कों में एक के तौर पर उभरी है। यह उपलब्धि हमारे उन ग्राहकों की है जिन्होंने इस पूरी यात्रा में हमारा सहयोग किया और हमारी समर्पित टीम की है जिनके जुनून ने हमारी सफलता को गति दी। साथ ही यह उपलब्धि हमारे उन साझीदारों की है जिन्होंने उत्कृष्टता के लिए हमारी प्रतिबद्धता साझा की।

सिग्नेचर मॉल्स और प्रीमियम हाई-स्ट्रीट स्थानों पर मजबूत उपस्थिति के साथ यूनिकॉर्न नई दिल्ली के पैसिफिक मॉल, गुरुग्राम के साइबरहब, मुंबई के ओबेराय मॉल, अहमदाबाद के अल्फा वन, लखनऊ के लुलु मॉल, नोएडा के मॉल ऑफ इंडिया और पुणे के मॉल ऑफ मिलेनियम समेत देशभर के 31 से अधिक मॉल्स में मौजूद है।

वेलकम टू द जंगल का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी की जोड़ी ने फिर मचाया धमाल

अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का ट्रेलर मेकर्स ने रिलीज कर दिया गया है। एक्शन, कॉमेडी, रोमांस, ड्रामा और सस्पेंस से भरपूर ट्रेलर की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। 4 मिनट 10 सेकंड के इस ट्रेलर में बेहतरीन कलाकारों की बड़ी टोली नजर आती है, जो दर्शकों को हंसी और रोमांच का डबल डोज देने वाली है। ट्रेलर की शुरुआत परेश रावल से होती है, जो एक फिल्म बनाना चाहते हैं। इसके बाद फिल्म के सभी कलाकारों का परिचय कराया जाता है और फिर जंगल में शूटिंग शुरू होती है। इसके बाद परेश रावल अपनी टीम को समझाते हैं कि उनकी फिल्म आर्मी पर आधारित है, जिसके लिए उन्हें पहले इसकी ट्रेनिंग करवाई जाएगी। इसी दौरान लारा दत्ता की एंट्री होती है और प्रशिक्षण के बीच कलाकारों की मजेदार नोकझोंक देखने को मिलती है। अपने दमदार एक्शन और शानदार कॉमिक टाइमिंग के साथ अक्षय कुमार प्रभाव छोड़ते नजर आते हैं। वहीं, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, तुषार कपूर और जैकी श्रॉफ भी अपने-अपने किरदारों में बेहद मजेदार दिखाई देते हैं।फिल्म में बड़ा मोड़ तब आता है, जब परेश रावल की पूरी टीम एक गांव पहुंच जाती है। गांव के लोगों को लगता है कि सेना के जवान उन्हें बचाने आए हैं। इसी दौरान रवीना टंडन की एंट्री होती है।ट्रेलर की खास बात यह है कि इसमें मुख्य कलाकारों की वास्तविक जिंदगी से जुड़े कुछ दिलचस्प और मजेदार संदर्भ भी शामिल किए गए हैं। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा सुनील शेट्टी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, जैकलीन फर्नांडिस, दिशा पाटनी, कृष्णा अभिषेक, तुषार कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी और रवीना टंडन समेत कई कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

विजय सेतुपति के अभिनय की मुरीद हुईं

संयुक्ता

बोलीं- यह अनुभव शब्दों से परे

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री संयुक्ता जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'स्लमडॉगः 33 टेम्पल रोड' में विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि सेतुपति को सामने से एक्टिंग करते देखना एक शानदार अनुभव रहा। संयुक्ता ने एक इंटरव्यू में कहा कि वह विजय सेतुपति की प्रशंसक हैं। उन्होंने कहा कि असल जिंदगी में विजय को परफॉर्म करते देखना बिल्कुल अलग और खास अनुभव है। संयुक्ता ने कहा, 'मैं विजय की बहुत बड़ी फैन हूं। जिस तरह वे किरदार में सहजता से ढल जाते हैं और डायलॉग बोलते हैं, ऐसा लगता है कि वे उनके अंदर से ही आ रहे हैं। एक को-एक्टर के रूप में इस प्रोसेस को करीब से देखना सच में बहुत खास था। 'अभिनेत्री संयुक्ता पुरी जगन्नाथ द्वारा निर्देशित फिल्म 'स्लमडॉग 33 टेम्पल रोड' में विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी। उन्होंने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बताया, 'मेरा किरदार बहुत खूबसूरत है। मैंने पहले कभी ऐसा रोल नहीं किया है। इसमें अलग लेकिन जबरदस्त बदलाव है। इसने मुझे एक अभिनेत्री के रूप में नई चुनौती दी है और मैं इससे बहुत खुश हूं। 'उन्होंने फिल्म के निर्देशक पुरी जगन्नाथ की भी खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, 'हर कोई मुझे कह रहा था कि यह फिल्म अपनी तरह की अनोखी होगी। सेट पर पहुंचकर मुझे समझ आया कि क्यों। पुरी सर का डायरेक्शन स्टाइल बहुत सहज, स्टाइलिश और खूबसूरत है। वे सिर्फ समय पर शूटिंग खत्म नहीं करते, बल्कि समय पर शुरू भी करते हैं और जल्दी पूरा कर लेते हैं। उन्हें काम करते देखना अद्भुत है। 'यह फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

वीर पहाड़िया ने सोशल मीडिया पर शेयर की अपने कश्मीर वेकेशन की कुछ ख़ास खूबसूरत तस्वीरें

हाल ही में अभिनेता वीर पहाड़िया ने अपने कश्मीर ट्रिप की कुछ खास झलकियां सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें उन्होंने वादियों के बीच बिताए खूबसूरत पलों की झलक दिखाई है। पोस्ट को बेहद सिंपल रखते हुए वीर ने कैप्शन में सिर्फ 'कश्मीर' लिखा है। इन तस्वीरों में वीर कश्मीर की खूबसूरत वादियों, खुले आसमान और शांत माहौल का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों में उनके दोस्तों के साथ बिताए गए कुछ यादगार पल भी तस्वीरों में कैद हैं। गौरतलब है कि वीर की यह पोस्ट किसी एक खास पल की बजाय पूरे ट्रिप की यादों को सहज अंदाज में दिखाने की कोशिश कर रही है। सालों से कश्मीर देश के सबसे खूबसूरत और सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक रहा है और वीर की यह पोस्ट एक बार फिर उसकी खूबसूरती को बयां करती नजर आ रही है। साथ ही इन तस्वीरों में प्राकृतिक नजारों और सफर के छोटे-छोटे पलों को बेहद सरल तरीके से दिखाया गया है, जो पोस्ट को और भी व्यक्तिगत एहसास दे रही हैं। इस पोस्ट की सबसे खास बात इसकी सादगी है। न कोई लंबा कैप्शन, न कोई विस्तृत ट्रैवल नोट, सिर्फ तस्वीरें, जो खुद अपनी कहानी कहती नजर आ रही हैं। यही वजह है कि यह पोस्ट बेहद रिलैक्स और पर्सनल फील दे रही है।वर्क फ्रंट की बात करें तो वीर पहाड़िया ने हाल ही में 'स्काय फ़ोर्स' से बॉलीवुड में डेब्यू किया है, जिसमें वह अक्षय कुमार के साथ नजर आए थे और उनकी सारा अली खान के साथ बनी जोड़ी को दर्शकों ने काफी सराहा था। फिलहाल अब वीर अपनी अगली फिल्म 'बेनाम' की तैयारी में भी जुट गए हैं, जिसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट जल्द होनेवाली है। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म के साथ ही वीर इंडस्ट्री के उन नए चेहरों में शामिल हो चुके हैं, जिन पर आने वाले समय में दर्शकों की खास नजर रहने वाली है।

'साड्डी सुन' में पगड़ी पहन नए अंदाज में नजर आए एल्विश यादव, बोले- यह मेरे करियर का खास अनुभव

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और अभिनेता एल्विश यादव अपने नए म्यूजिक वीडियो 'साड्डी सुन' को लेकर चर्चा में हैं। इस गाने में एल्विश पहली बार पगड़ी पहने हुए सरदार लुक में नजर आ रहे हैं। अभिनेता का यह नया अंदाज दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है और खुद एल्विश भी इसे अपने लिए एक खास और एकदम नया अनुभव मानते हैं। एल्विश यादव ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार इस लुक में खुद को आईने में देखा, तो उन्हें बेहद खुशी हुई। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए पूरी तरह से अलग लुक है और उन्हें उम्मीद है कि दर्शकों को भी उनका यह नया रूप पसंद आएगा।

मैं इस अवसर के लिए अंशुल सर का आभारी हूं और वीडियो को लेकर उत्साहित हूं और बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। 'म्यूजिक वीडियो में एल्विश के साथ अभिनेत्री सिमरत रंधावा भी नजर आ रही हैं। उन्होंने गाने की तारीफ करते हुए कहा कि 'साड्डी सुन' एक बेहद प्यारा और दिल को छू लेने वाला गीत है। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना उनके लिए शानदार अनुभव रहा। 'साड्डी सुन' को हर्ष नुस्सी और दीप क्लेयर ने गाया, लिखा और कंपोज किया है। यह गाना रिलीज से पहले ही अपने ऑडियो वर्जन के जरिए सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हो चुका था। गाने को श्रोताओं का अच्छा समर्थन मिला, जिसके बाद इसका वीडियो रिलीज किया गया।सिंगर और कंपोजर हर्ष नुस्सी ने कहा कि गाने के ऑडियो को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने बताया कि पूरी टीम ने इस गाने को बहुत प्यार और मेहनत से तैयार किया है और अब उन्हें उम्मीद है कि वीडियो को भी दर्शक उतना ही प्यार देंगे। प्ले डीएमएफ के बैनर तले अंशुल गर्ग द्वारा निर्मित 'साड्डी सुन' का वीडियो बुधवार को रिलीज किया गया।

'अंगूरी भाभी' से पहचान मिलने पर शुभांगी अत्रे ने बताया 'दर्शकों ने मेरे किरदार को दिल से किया स्वीकार'

टीवी अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने लोकप्रिय सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बनाई। आज लाखों लोग उन्हें जानते हैं, लेकिन इस पहचान तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं रहा। हाल ही में शुभांगी अत्रे ने करियर, लोकप्रियता और दर्शकों के साथ बने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि सफलता पाने के लिए उन्होंने लगातार मेहनत की और हमेशा अपने काम को पूरी ईमानदारी से किया। शुभांगी अत्रे ने कहा, ''किसी भी कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह होती है कि वह अपने किरदार को पूरी लगन और सच्चाई के साथ निभाए। जब कोई कलाकार अपने काम में सौ फीसदी मेहनत लगाता है, तो दर्शक उससे जुड़ने लगते हैं। मेरे साथ भी यही हुआ। शुरुआत में लोगों ने मुझे मेरे असली नाम से नहीं, बल्कि मेरे किरदार के नाम से पहचानना शुरू किया। जहां भी मैं जाती थी, लोग मुझे अंगूरी भाभी कहकर बुलाते थे। किसी भी कलाकार के लिए यह बहुत बड़ी बात होती है, क्योंकि इसका मतलब है कि दर्शकों ने आपके काम को दिल से स्वीकार किया है।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''समय के साथ दर्शकों का जुड़ाव और गहरा होने लगता है। लोग सिर्फ पर्दे पर दिखने वाले किरदार को नहीं, बल्कि उस किरदार को निभाने वाले कलाकार को भी जानना चाहते हैं। शुभांगी अत्रे ने आगे कहा, ''जब लोग आपको इतना प्यार और सम्मान देते हैं, तो आपकी भी जिम्मेदारी बनती है कि आप उनके उस प्यार की कद्र करें। दर्शकों का स्नेह ही किसी कलाकार को आगे बढ़ाता है और उसे सफल बनाता है। इसलिए कलाकार को हमेशा अपने प्रशंसकों के प्रति सम्मान और आभार का भाव रखना चाहिए।''

वेदांग रैना की नई फिल्म में आया बड़ा मोड़

नाओमिका सरन के साथ प्रगति श्रीवास्तव भी निभाएंगी अहम रोल

बॉलीवुड में इन दिनों नई जोड़ियों और नई कहानियों को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी बीच अभिनेता वेदांग रैना की आने वाली फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। अब तक चर्चा थी कि इस फिल्म में वेदांग के साथ नाओमिका सरन नजर आएंगी, लेकिन अब खबर है कि फिल्म में एक और अभिनेत्री प्रगति श्रीवास्तव की भी एंट्री हो गई है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म रोमांस, कॉमेडी और रहस्य से भरपूर होगी । फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स कर रहा है। वहीं निर्देशन की जिम्मेदारी जगदीप सिद्धू पर हैं। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने एक न्यूज एजेंसी को बताया, प्रगति श्रीवास्तव का किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि फिल्म में वेदांग रैना के किरदार की जिंदगी में दो अलग-अलग प्रेम संबंध देखने को मिलेंगे। एक ओर नाओमिका सरन का किरदार होगा और दूसरी ओर प्रगति श्रीवास्तव का। माना जा रहा है कि फिल्म को साल 2026 के आखिर तक सिनेमाघरों में रिलीज किया जा सकता है। प्रगति श्रीवास्तव की बात करें तो इससे पहले उन्होंने साउथ फिल्मों में काम किया है और धीरे-धीरे हिंदी फिल्म जगत में भी अपनी पहचान बना रही हैं। वह पहले प्रकाश झा की 'जनादेश' और आनंद एल राय की 'नखरेवाली' में काम कर चुकी हैं। अब इस नई फिल्म के जरिए वह बड़े स्तर पर दर्शकों के सामने आएंगी। दूसरी ओर, नाओमिका सरन भी लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। वह हिंदी फिल्म जगत के बेहद चर्चित परिवार से ताल्लुक रखती हैं। नाओमिका, हिंदी सिनेमा के पहले सुपरस्टार माने जाने वाले राजेश खन्ना और मशहूर अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया की नातिन हैं। उनकी मां रिंकी खन्ना भी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। ऐसे में नाओमिका की फिल्मी शुरुआत को लेकर पहले से ही काफी चर्चा बनी हुई है। वहीं वेदांग रैना भी अपने करियर के महत्वपूर्ण दौर में हैं।

(साभार एजेंसी)

महिला टी20 विश्व कप

सर्वाधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी

● ऑस्ट्रेलिया की एलिसे पेरी पहले स्थान पर

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत 12 जून से हो रही है। इंग्लैंड में आयोजित हो रहा यह इवेंट टी20 विश्व कप का 10वां संस्करण है। ऐसी कई खिलाड़ी हैं जो 2009 में शुरू हुए टी20 विश्व कप के पहले संस्करण का हिस्सा थीं और 2026 में होने वाले दसवें संस्करण का भी हिस्सा होंगी।

ऐसे में, आइए देखते हैं कि किन दस क्रिकेटरों ने महिला टी20 विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेले हैं।

- ऑस्ट्रेलिया की एलिसे पेरी ने 2009 से 2024 के बीच कुल 47 मैच खेले हैं। इस दौरान 503 रन और 40 विकेट उनके नाम हैं। पेरी महिला टी20 विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी हैं। पेरी 2026 टी20 विश्व कप खेलने के लिए तैयार हैं।
- न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स महिला टी20 विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली दूसरी खिलाड़ी हैं। बेट्स ने 2009 से 2024 के बीच 42 मैच खेले हैं और 1,216 रन बनाने के साथ ही 11 विकेट लिए हैं। बेट्स भी 2026 टी20 विश्व कप खेल रही हैं।
- ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान एलिसा हिली ने 2010 से 2024 के बीच 42 मैच खेले और 1008 रन बनाए। विश्व कप में सर्वाधिक मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में वह तीसरे स्थान पर हैं। हिली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुकी हैं।
- टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर विश्व कप में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली चौथी खिलाड़ी हैं। 2009 से 2024 के बीच हरमन ने 39 मैच खेले हैं। वह 726 रन बनाने के साथ ही 11 विकेट ले चुकी हैं।
- न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन ने 2009 से 2024 के बीच 38 मैच खेले। उनके नाम 785 रन और 29 विकेट हैं। वह सर्वाधिक मैच खेलने वाले खिलवाड़ियों की सूची में पांचवें नंबर पर हैं। सोफी संन्यास ले चुकी हैं।
- वेस्टइंडीज की शेमेन कैंपबेल ने 2010 से 2024 के बीच 36 मैचों में 333 रन बनाए हैं और 5 विकेट लिए हैं। वह सर्वाधिक मैच खेलने वालों की सूची में छठे स्थान पर हैं। वह आगामी विश्व कप का हिस्सा हैं।
- वेस्टइंडीज की डियांड्रा डॉटिन, स्टेफनी टेलर और ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर हैं। डियांड्रा डॉटिन ने 2009 से 2024 के बीच 35 मैचों में 770 रन बनाए हैं और 31 विकेट लिए हैं। डॉटिन आगामी विश्व कप का हिस्सा हैं।
- मेग लैनिंग ने 2012 से 2023 के बीच 35 मैचों में 992 रन बनाए। अपनी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया को 4 विश्व कप जिताने वाली लैनिंग संन्यास ले चुकी हैं।
- स्टेफनी टेलर 2009 से 2024 के बीच 35 मैचों में 1014 रन बनाने के साथ ही 33 विकेट ले चुकी हैं और आगामी विश्व कप का हिस्सा हैं।
- पाकिस्तान की निदा डार आठवें स्थान पर हैं। 2010 से 2024 के बीच 33 मैचों में उन्होंने 353 रन बनाने के साथ ही 28 विकेट लिए थे।
- श्रीलंका की चमारी अथापथु, दक्षिण अफ्रीका की शबनीम इस्माइल, और दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर हैं। अथापथु ने 2009 से 2024 के बीच 32 मैचों में 711 रन बनाए हैं और 13 विकेट लिए हैं।
- शबनम ने 2009 से 2023 के बीच 32 मैचों में 43 विकेट लिए हैं। कैप ने 2009 से 2024 के बीच 32 मैचों में 453 रन बनाए हैं और 31 विकेट लिए हैं। दक्षिण अफ्रीका की ही क्लो ट्रायन दसवें स्थान पर है। 2010 से 2024 के बीच 31 मैचों में उनके 358 रन और 10 विकेट हैं।

फीफा वर्ल्ड कप में दिखेगा भारतीय मूल के 4 खिलाड़ियों का रहेगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026: भारतीय फुटबॉल फैंस वर्षों से अपनी नेशनल टीम के फुटबॉल वर्ल्ड कप में खेलने का सपना देख रहे हैं. हालांकि उनका या सपना कब पूरा होगा इस पर कुछ नहीं कहा जा सकता है लेकिन बतौर खिलाड़ी भारतीय फैंस का ये सपना पूरा होने वाला है. क्योंकि फीफा वर्ल्ड कप 2026 में चार भारतीय मूल के खिलाड़ी अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं। ये चारों खिलाड़ी भले ही अपने-अपने देश - न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, कतर और डीआर कांगो के लिए खेलेंगे, लेकिन साथ ही वो भारतीय विरासत की झलक भी दिखाएंगे. यह चार खिलाड़ी - सरप्रीत सिंह, सैमुअल मौतौसामी, निशान वेलुपिल्ले और तहसीन मोहम्मद हैं. आइए इन चार खिलाड़ियों पर एक नजर डालते हैं।

तहसीन मोहम्मद जमशेद (कतर) - 19 साल के तहसीन मोहम्मद का जन्म कतर की राजधानी दोहा में हुआ. हालांकि उनके माता-पिता केरल के कन्नूर से हैं. जो 2006 में कन्नूर से कतर चले गए थे. खास बात यह है कि जमशेद फीफा वर्ल्ड कप में खेलने वाले पहले भारतीय पासपोर्ट धारक हैं. उनके पास भारतीय पासपोर्ट और कतर का खास 'मिशन पासपोर्ट' दोनों हैं।तहसीन के पिता जमशेद कालीकट विश्वविद्यालय के पूर्व खिलाड़ी थे. तहसीन ने दोहा स्थित एस्पायर अकादमी में अपने फुटबॉल कौशल को निखारा और कतर स्टार्स लीग में खेलने वाले भारतीय मूल के पहले खिलाड़ी बने. अभी वह अल दुहैल एससी के लिए खेलते हैं। विंगर तहसीन ने फीफा विश्व कप के एशियाई क्वालीफायर ग्रुप मैच के दौरान 2024 में अफगानिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण किया. उन्होंने जिम्बाब्वे (2025) और आयरलैंड (2026) के खिलाफ दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों में भी हिस्सा लिया है. लेकिन उन्होंने अभी तक कोई गोल नहीं किया है।

सरप्रीत सिंह - न्यूजीलैंड की टीम फीफा वर्ल्ड कप 2026 में खेलेगी. इस टीम में सरप्रीत सिंह भी शामिल होंगे, जिनका संबंध भारत के पंजाब से है. 27 साल के सरप्रीत सिंह का जन्म न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में हुआ था, लेकिन उनके माता-पिता पंजाबी मूल के हैं. वह न्यूजीलैंड की टीम के लिए अटैकिंग मिडफील्डर के तौर पर खेलते हैं. उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए 24 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और तीन गोल किए हैं. सरप्रीत ने 2017 और 2019 फीफा अंडर-20 विश्व कप में भी न्यूजीलैंड के लिए खेले थे।

निशान वेलुपिल्ले - निशान वेलुपिल्ले की मां एंग्लो-इंडियन और पिता श्रीलंकाई मूल के तमिल हैं. 25 वर्षीय वेलुपिल्ले मेलबर्न विक्ट्री के लिए खेलते हैं. उनका जन्म और पालन-पोषण मेलबर्न में हुआ. निशान अब 26 सदस्यीय टीम के उन 17 खिलाड़ियों में से एक हैं जो फीफा विश्व कप में अपना पदार्पण करेंगे. उन्होंने अक्टूबर 2024 में विश्व कप क्वालीफाइंग राउंड के दौरान ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण किया. तब से लेकर अब तक उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए सात मैच खेले जिनमें उन्होंने तीन गोल किए हैं. ये सभी गोल उन्होंने विश्व कप क्वालीफायर में किए।

सैमुअल मौतौसामी (डीआर कांगो) - सैमुअल मौतौसामी को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए डीआर कांगो की नेशनल फुटबॉल टीम में शामिल किया गया है. 29 साल के इस मिडफील्डर का जन्म फ्रांस के पेरिस में हुआ था. उनकी मां कांगो से हैं और पिता तमिल मूल के हैं. वह फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने वाले भारतीय मूल के चौथे खिलाड़ी बन गए हैं. सैमुअल मूल रूप से भारत के तमिलनाडु से हैं. वह कांगो की नेशनल टीम के लिए एक अहम सेंट्रल मिडफील्डर के तौर पर खेलते हैं. वह कांगो की सीनियर राष्ट्रीय टीम की तरफ से अब तक 57 मैच खेल चुके हैं। फीफा के नियमों के अनुसार, कोई खिलाड़ी किसी राष्ट्रीय टीम के लिए तभी खेल सकता है जब उसके माता-पिता या दादा-दादी का जन्म उस देश में हुआ हो और खिलाड़ी के पास उस देश का पासपोर्ट भी होना चाहिए जिसका वह प्रतिनिधित्व कर रहा है।

इंडिया ए ने अफगानिस्तान को दिया था 349 रन का लक्ष्य

● वैभव सूर्यवंशी की शानदार बल्लेबाजी

दांबुला (एजेंसी)। इंडियाए और अफगानिस्तान, श्रीलंका में खेले जा रहे ट्राई नेशन सीरीज के दूसरे मैच में आमने सामने हैं. दांबुला के रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया ए ने 49 ओवर में 9 विकेट खोकर 349 रन बनाए हैं. जिसमें वैभव (44), प्रभसिमरन (84), गायकवाड़ (66), तिलक वर्मा (66) और शेगडे (40) ने अहम पारियां खेलीं. वहीं अफगानिस्तान की तरफ से अब्दुल्लाह अहमदजई ने 5 और फरमानुल्लाह ने 3 विकेट हासिल किए। बारिश रुकने के बाद मैच दोबारा शुरू हो गया था, लेकिन ष्ठरुस् की वजह से अब अफगानिस्तान ए को 38 ओवर में 294 रनों का टारगेट मिला है. भारत ने 49 ओवर में 9 विकेट पर 349 रन बनाए थे।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत ए की प्लेइंग इलेवन: वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), प्रियांश आर्य, रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा (कप्तान), आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, अरशद खान, विप्रज निगम, अनुकूल रॉय, अंशुल कंबोज.

अफगानिस्तान ए प्लेइंग इलेवन: इमरान मीर (कप्तान), हसन ईसाखिल, खालिद तानिवाल, इजाज अहमद अहमदजई, बहिर शाह, इशाक रहीमी (विकटेकीपर), खलील गुरबाज, जहीर खान, अब्दुल्ला अहमदजई, मोहम्मद इब्राहिम, फरमानुल्लाह सफी.

ICC टेस्ट रैंकिंग

ब्रूक नंबर वन बल्लेबाज बने, भारतीय कप्तान गिल आठवें स्थान पर

नई दिल्ली ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा बुधवार को जारी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने पहला स्थान हासिल किया है। ब्रूक ने साथी खिलाड़ी और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया है।भारतीय कप्तान गिल को 2 स्थान का फायदा हुआ है।गिल आठवें स्थान पर चले गए हैं।लॉर्ड्स में आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड की 115 रनों की जीत के दौरान पहली पारी में अर्धशतक लगाने के बाद ब्रूक नंबर एक स्थान पर आ गए।ब्रूक पहली बार दिसंबर 2024 में शीर्ष स्थान पर पहुंचे थे।मैच में पचास से अधिक रन बनाने वाले केवल दो खिलाड़ियों में से एक ब्रुक थे।ब्रूक ने पहली पारी में 56 रन बनाए थे।ट्रेविस हेड दूसरे स्थान पर आ गए हैं।हेड को एक स्थान का फायदा हुआ है।जो रूट के लिए लॉर्ड्स टेस्ट अच्छा नहीं रहा था।दोनों पारियों में वह एक और आठ रन ही बना पाए थे।इसका उन्हें नुकसान हुआ है।रूट दो स्थान खिसकर पहले से सीधे तीसरे स्थान पर आ गए हैं।भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट में शतक लगाया था।इस शतक की बदौलत दो स्थान ऊपर चढ़कर वह आठवें स्थान पर आ गए।ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ चौथे स्थान पर है।श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस एक स्थान उपर चढ़कर पांचवें स्थान पर चले गए हैं।न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन छठे स्थान पर हैं।उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है।दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बवुमा सातवें स्थान पर हैं।भारत के यशस्वी जायसवाल नौवें स्थान हैं।उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है।श्रीलंका के दिनेश चांदीमल एक पायदान उपर चढ़कर दसवें स्थान पर चले गए हैं।

बेन स्टोक्स को बीच सीरीज टीम से किया गया बाहर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स और साथी गेंदबाज गस अटकिंसन के ऊपर नाइट क्लब मामले के बाद तलवार लटक रही है। इसी के चलते न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बीच दूसरे मुकाबले से पहले दोनों को टीम से बाहर कर दिया गया। स्टोक्स की जगह जो रूट को अंतरिम कप्तान बनाने की घोषणा की गई है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड की तरफ से बुधवार (10 जून) को यह जानकारी शेयर की गई थी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने अपने बयान में कहा, 'इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड इस बात की पुष्टि करता है कि मौजूदा जांच के चलते बेन स्टोक्स और गस अटकिंसन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। यह मुकाबला 17 जून से किया ओवल में खेला जाएगा। यॉर्कशायर के बैटर जो रूट टीम के अंतरिम कप्तान बनेंगे। ससेक्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और एसेक्स के जॉर्डन कॉक्स को भी स्क्वाड में जोड़ा गया है। '

इंग्लैंड ने भारत को 5 रन से हराया

स्मृति मंधाना का फ्लाप शो जारी; ऋचा घोष की 68 रन की पारी बेकार

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप 2026 के मेन राउंड की शुरुआत से पहले एक और हार झेलनी पड़ी है। टूर्नामेंट के वार्म अप राउंड से पहले इंग्लैंड के खिलाफ भारत को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। अब वार्म अप मैच में भी मेजबान इंग्लैंड ने भारतीय टीम को रोमांचक मुकाबले में 5 रन से हरा दिया। इस मैच में एक बार फिर उपकप्तान स्मृति मंधाना का फ्लाप शो जारी रहा। उन्होंने एक बार फिर से निराश किया। जबकि विकेटकीपर बैटर ऋचा घोष की 36 गेंद पर 68 रन की पारी बेकार हो गई। इस मुकाबले में पहले खेलते हुए इंग्लैंड की टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 171 रन बनाए थे। जवाब में टीम इंडिया 19.5 ओवर में 166 रन पर ही सिमट गई। टी20 विश्व कप से पहले एक बार फिर टीम की सीनियर खिलाड़ियों का बल्लेबाजी फॉर्म चिंता का विषय बनता दिखा है।

आखिरी ओवर में चाहिए थे 17 रन- भारतीय टीम की शुरुआत इस मैच में बेहद खराब थी और 18 रन पर ही दो विकेट गिर गए थे। यास्तिका भाटिया (15) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (17) ने भी निराश किया। फिर भारती फूलमाली ने 18 रन की पारी खेल कुछ हद तक ऋचा घोष का साथ दिया लेकिन वह भी ज्यादा देर टिक नहीं पाईं। एक छोर से ऋचा रन बना रही थी।

स्मृति मंधाना के फ्लाप शो ने बढ़ाई चिंता

भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने पिछली 8 टी20 पारियों में एक भी 40 तक का स्कोर नहीं बनाया है। पिछली 6 टी20 इंटरनेशनल पारियों में उनके बल्ले से सिर्फ 102 रन ही निकले हैं।जिसमें 37 उनका सर्वोच्च स्कोर रहा है और एक डक भी शामिल है। स्मृति का खराब फॉर्म मेन विश्व कप राउंड से पहले भारतीय टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।इंग्लैंड के खिलाफ वार्म अप मुकाबले में भी 172 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वह 6 गेंद पर सिर्फ 1 रन ही बना पाईं।अब भारतीय टीम अपना पहला लीग मैच 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने उतरेगी।टीम को और फैंस को उम्मीद होगी कि वनडे की विश्व चैंपियन टीम टी20 विश्व कप में भी चैंपियंस की तरह ही खेले।

श्रेयस अय्यर नहीं खेले, इशान की पारी से मुंबई फाल्कन्स को मिली जीत

वैभव का साधारण प्रदर्शन, मिला एक विकेट

नई दिल्ली। टी20 मुंबई 2026 का 19वां लीग मैच सोबो मुंबई फाल्कन्स और नॉर्थ मुंबई पैंथर्स के बीच खेला गया। इस मुकाबले में मुंबई फाल्कन्स को इशान मूलचंदानी की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर 7 विकेट से जीत मिली। इस जीत के साथ इस टीम के कुल 6 अंक हो गए, लेकिन ये टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई। यही नहीं इस मुकाबले में श्रेयस अय्यर मुंबई फाल्कन्स के लिए मैदान पर नहीं उतरे। सोबो मुंबई फाल्कन्स और नॉर्थ मुंबई पैंथर्स के बीच हुए मैच में नॉर्थ मुंबई पैंथर्स ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया और फिर ये टीम 19.2 ओवर 157 रन बनाकर आउट हो गई। मुंबई फाल्कन्स को जीत के लिए 158 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 18.1 ओवर में 3 विकेट पर 158 रन बनाकर मैच जीत लिया। मुंबई फाल्कन्स के लिए मयूरेश टंडेल ने 4 विकेट लिए थे और वो प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए।

इशान मूलचंदानी ने खेली 65 रन की पारी

इशान ने अपनी टीम यानी मुंबई फाल्कन्स के लिए शानदार अर्धशतकीय पारी खेली और 45 गेंदों पर 65 रन ठोके।इस दौरान उन्होंने 5 छक्के और 2 चौके भी लगाए और अपनी टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई।

गौतम भरत वाघेला ने भी कमाल की पारी खेली और 30 गेंदों पर 45 रन बनाकर नाबाद रहे और टीम को जीत दिलाकर ही पवेलियन वापस लौटे।नॉर्थ मुंबई पैंथर्स के लिए वैभव माली ने 4 ओवर में 30 रन देकर एक विकेट लिए जबकि राहुल और प्रतीक को भी एक-एक विकेट मिले।

अमेरिका ने ईरान पर लगातार दूसरे दिन हवाई हमले किए, ईरान की खाड़ी देशों और जॉर्डन में जवाबी कार्रवाई

» दुबई, भाषा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को बातचीत रोकने के लिए कीमत चुकाने की धमकी दिए जाने के बाद अमेरिका ने बृहस्पतिवार सुबह तेहरान पर नए सिरे से हवाई हमले किए, जबकि ईरान ने जवाबी कार्रवाई में बहरीन, कुवैत और जॉर्डन को निशाना बनाकर हमले किए। ईरान के कई शहरों में हुए इन नए हमलों के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत की कोशिश फिर से ठप पड़ती दिखाई दी। ईरान ने इस बात पर जोर दिया कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ बनाए रखेगा, जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई है और तेल की कीमतों में उछाल आया है।

अमेरिकी हमला पिछले दिन की तुलना में अधिक भीषण और व्यापक प्रतीत हुआ, लेकिन ईरान ने नुकसान के बारे में बहुत कम जानकारी जारी की। कुवैत ने बृहस्पतिवार सुबह हुए हमले के कारण कई घंटों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया, हालांकि उसने किसी नुकसान के बारे में कोई विवरण नहीं दिया। वहीं, जॉर्डन ने कहा कि उसने ईरान द्वारा दागी गई 20 मिसाइलों को मार गिराया, जिनका निशाना वह क्षेत्र था जहां अमेरिकी सैनिकों वाला एक वायुसेना अड्डा स्थित है। इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। बहरीन के गृह मंत्रालय ने बताया कि ईरानी हमले के जवाब में की गई कार्रवाई के दौरान गिरे मलबे से ग्यारह वर्षीय एक लड़की घायल हो गई, जबकि कई कारों और मकानों को भी नुकसान पहुंचा। यह इस सप्ताह तीसरी बार था जब दोनों पक्षों के बीच जवाबी हमलों ने दो महीने पुराने युद्धविराम की परीक्षा ली। ट्रंप ने ईरान से युद्ध समाप्त करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर करने का आग्रह किया है और इस सप्ताह की शुरुआत में संकेत दिया था कि कुछ ही दिनों में समझौता हो सकता है। भारी बमबारी के बावजूद ईरान ने अपनी मजबूती दिखाई है। उसका मानना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद करने की उसकी क्षमता उसे सौदेबाजी करने का रास्ता देती है। यह जलडमरूमध्य तेल और प्राकृतिक गैस का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। इसके बावजूद दोनों देश संघर्ष समाप्त करने का रास्ता तलाशते दिख रहे हैं और इसे अपने-अपने देशों में राजनीतिक जीत के रूप में पेश करना चाहते हैं। वहीं, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ऐसे लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के पक्षधर दिखाई देते हैं, जिनसे समझौता और कठिन हो सकता है।

कुवैत ने ईरान से जारी हमलों के बीच अपना हवाई क्षेत्र बंद किया

दुबई। ईरान से जारी हमलों के बीच कुवैत ने बृहस्पतिवार को अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने की घोषणा की। यह घोषणा कुवैत के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने की। उसने बताया कि उड़ानों का मार्ग परिवर्तित कर उन्हें अन्य हवाई अड्डों की ओर भेजा जा रहा है, हालांकि इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी गई। यह घोषणा ऐसे समय की गई जब सेना ने बताया कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियां सक्रिय होकर जवाबी गोलीबारी कर रही हैं। घोषणा से पहले कुछ समय तक कई विमान कुवैत के हवाई क्षेत्र के बाहर चक्कर लगाते रहे। कुवैत ने कहा, यह कदम कुवैत पर ईरान के निंदनीय हमलों और उनसे क्षेत्र में नागरिक विमानन यातायात को उत्पन्न होने वाले संभावित खतरों को देखते हुए उठाया गया है।

ट्रंप ने ईरान के तेल उद्योग पर कब्जा करने की दी धमकी

दुबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेगा और उसके तेल एवं गैस उद्योगों पर पूरी तरह कब्जा कर लेगा। क्षेत्र के देशों के बीच लगातार हो रहे हमलों से पश्चिम एशिया एक बार फिर पूर्ण पैमाने के युद्ध की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में धमकी दी कि अमेरिका आज रात ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेगा और बहुत जल्द ईरान के तेल और गैस उद्योगोंजिनमें भी शामिल हैपर पूरी तरह से कब्जा कर लिया जाएगा। ट्रंप ने ईरान के लिए अपनी योजनाओं की तुलना उस स्थिति से की, जब अमेरिका ने जनवरी में वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के बाद वहां के तेल सेक्टर पर नियंत्रण कर लिया था। यह पोस्ट ऐसे समय आई है, जब अमेरिका और ईरान लगातार दूसरे दिन भी एक-दूसरे पर हमले कर रहे हैं। ईरान में बृहस्पतिवार सुबह तक अमेरिकी हमले की तीव्रता और दायरा एक दिन पहले की तुलना में कहीं अधिक बड़ा दिखाई दिया। ईरान ने नुकसान के बारे में बहुत कम जानकारी दी और कहा कि उसने कुवैत, बहरीन और जॉर्डन पर जवाबी हमला किया जैसा कि उसने एक दिन पहले किया था। खार्ग द्वीप कुवैत और सऊदी अरब में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों के ठीक सामने फारस की खाड़ी के दूसरे छोर पर स्थित है। इसे ईरान के तेल उद्योग की जीवनरेखा माना जाता है।

ईरानी नाकेबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहे टैंकर पर हमने मिसाइल दागीः अमेरिकी सेना

दुबई। अमेरिकी सेना की मध्य कमान ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के ठीक बाहर समुद्र में एक तेल टैंकर पर हमला किया, जो ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई नाकेबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहा था। सेना ने कहा कि बुधवार देर रात ओमान की खाड़ी में संबंधित पोत पर हेलफायर मिसाइल दागी गई, क्योंकि इसके चालक दल ने अमेरिकी आदेशों का पालन नहीं किया। इसने कहा कि यह जहाज आदेशों का पालन न करने वाले उन नौ जहाजों में शामिल था जिन्हें नाकेबंदी लागू होने के बाद से निष्क्रिय किया गया है अमेरिकी सेना द्वारा साझा किए गए वीडियो में मिसाइल दागे जाने के बाद जहाज के एक हिस्से में विस्फोट होता दिखता है। गिनी-बिसाऊ के ध्वज वाले इस टैंकर पर हमला इस सप्ताह हुई ऐसी तीसरी घटना है।

ओमान समुद्र तट के पास तीसरे जहाज पर हमले के बाद भारतीय चालक दल के सभी 22 सदस्य सुरक्षित निकाले गए

» दुबई, भाषा।

ओमान बंदरगाह के पास एक टैंकर पर हमले के बाद उसमें सवार 22 भारतीयों को बृहस्पतिवार को सुरक्षित निकाल लिया गया। भारतीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पिछले चार दिनों में ओमान तट के निकट अमेरिकी सेना द्वारा भारतीय चालक दल वाले व्यापारिक जहाजों पर हमले की यह तीसरी घटना है। सोमवार को अमेरिकी सेना ने पलाऊ ध्वज वाले एक तेल टैंकर को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिसमें 24 भारतीय नाविक सवार थे। जहाज एमटी मेरिवेक्स के चालक दल के सभी सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया। अमेरिका ने सोमवार को पलाऊ ध्वज वाले एक अन्य टैंकर एमटी सेट्टेबेलो पर हमला किया, जिसमें सवार 24 भारतीय नाविकों में से तीन की मौत हो गई। बुधवार की घटना के बाद विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी दूतावास के प्रभारी जेसन मीक्स को तलब करके विरोध दर्ज कराया।

तीसरी घटना बृहस्पतिवार को घटी। मस्कट स्थित भारतीय दूतावास ने एक पोस्ट में कहा, ओमान के अधिकारियों के सहयोग से बचाव अभियान सफलतापूर्वक पूरा हो गया है और भारतीय चालक दल के सभी 22 सदस्यों को सुरक्षित रूप से तट पर पहुंचा दिया गया है। दूतावास आगे की कार्रवाई के लिए ओमान के अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने बाद में पुष्टि की कि जहाज पर हमला हुआ था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में जहाजों से जुड़ी घटनाओं के बारे में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा, ए हमले वहां तैनात अमेरिकी नौसेना द्वारा किए गए थे। जायसवाल ने कहा, हम अपने नौसैनिक समुदाय के कल्याण और सुरक्षा को सर्वोच्च महत्व देते हैं। अमेरिकी मध्य कमान ने एक बयान में कहा कि उसने गिनी-बिसाऊ के ध्वज वाले जहाज एमटी जलवीर को ईरान के खिलाफ लगाए गए प्रतिबंध का कथित तौर पर उल्लंघन करके ईरानी तेल परिवहन करने के प्रयास के आरोप में निष्क्रिय कर दिया। कमान ने कहा कि चालक दल द्वारा अमेरिकी सेना के निर्देशों का बार-बार पालन न करने के बाद एक अमेरिकी विमान ने जहाज के इंजन कक्ष पर हमला किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस सप्ताह हुई घटनाओं में शामिल दो जहाज अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत चल रहे थे, जबकि एक जहाज प्रतिबंधों का उल्लंघन करने वाली श्रेणी में था।

ओमान तट के निकट एक पोत से जुड़ी घटना पर करीबी नजर रख रहा है भारत

» दुबई, भाषा।

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच मस्कट स्थित भारतीय दूतावास ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह ओमान के शिनास बंदरगाह के निकट एक पोत से जुड़ी घटना पर करीबी नजर रखे हुए है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमें आज सुबह ओमान के शिनास बंदरगाह के निकट एक पोत से जुड़ी घटना की जानकारी मिली है। हम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और अधिक जानकारी के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहे हैं। हालांकि, दूतावास ने घटना के बारे में कोई अतिरिक्त विवरण साझा नहीं किया। इस बीच, भारतीय नाविकों के संगठन फॉरवर्ड सीमेन्स यूनियन ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) ने एक जहाज से घना धुआं उठते हुए कुछ तस्वीरें जारी कीं। यूनियन का कहना है कि उस पोत पर करीब 20 भारतीय नाविकों के सवार होने की आशंका है।

हालांकि, यह तत्काल पुष्टि नहीं हो सकी कि यह वही जहाज है या नहीं, जिसके संबंध में मस्कट स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच पर जानकारी साझा की है। भारतीय दूतावास के इस बयान से एक

दिन पहले भारत ने बुधवार को अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को तलब किया था और ओमान के तट के पास भारतीय चालक दल के सदस्यों वाले एक वाणिज्यिक पोत पर अमेरिकी हमले को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया था। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बुधवार को हुए हमले में तीन भारतीय नाविकों के मारे जाने की पुष्टि की। इससे पहले, सोमवार को ओमान तट के निकट एक व्यापारी तेल टैंकर पर हुए मिसाइल हमले के बाद ओमानी अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर टैंकर पर सवार 24 भारतीय चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया था।

न्यूज ब्रीफ

चीन से जुड़े भर्ती नेटवर्क पर कार्रवाई, एफबीआई ने 13 वेबसाइट पर रोक लगाई

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी न्याय विभाग ने बुधवार को बताया कि संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने 13 ऐसी वेबसाइट पर रोक लगा दी है, जिन्हें चीन द्वारा अमेरिकी कर्मचारियों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। ये ऐसे कर्मचारी थे जिन्हें गोपनीय या संवेदनशील सरकारी सूचनाओं तक पहुंच प्राप्त थी। अधिकारियों के मुताबिक, इन वेबसाइट को परामर्श कंपनियों से जुड़ा बताया जाता था और सुरक्षा मंजूरी रखने वाले वर्तमान एवं पूर्व सरकारी कर्मचारियों के लिए नौकरी के विज्ञापन देती थीं। हालांकि जांच में पता चला कि ये कंपनियां और नौकरी के प्रस्ताव पूरी तरह फर्जी थे। यह कार्रवाई पश्चिमी देशों की उन कोशिशों का हिस्सा है, जिनके तहत चीन पर संवेदनशील जानकारी हासिल करने के लिए सरकारी कर्मचारियों की भर्ती करने के आरोपों को उजागर किया जा रहा है।

हाल में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका के खुफिया गठबंधन फाइव आइज़ ने भी चेतावनी जारी की थी कि चीन नौकरी संबंधी वेबसाइट्स के जरिए संवेदनशील सूचनाओं तक पहुंच बनाने का प्रयास कर रहा है। एफबीआई के शपथपत्र के अनुसार, इन फर्जी वेबसाइट को विश्वसनीय दिखाने के लिए चोरी या फर्जी पहचान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार तस्वीरों का उपयोग किया गया। नौकरी के विज्ञापन मुख्य रूप से वर्तमान या पूर्व अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों को आकर्षित करने के लिए बनाए गए थे। इन वेबसाइट के लिंक अक्सर लिंक्डइन और अन्य नौकरी संबंधी मंचों पर भी साझा किए जाते थे। न्याय विभाग ने कहा कि आवेदकों को उनके काम से संबंधित रिपोर्ट और संवेदनशील जानकारी देने के बदले धन की पेशकश की जाती थी। अधिकारियों का आरोप है कि इस नेटवर्क के संचालकों के चीन की खुफिया एजेंसियों से संबंध थे और वे अपनी पहचान छिपाने के लिए क्रिप्टोकरेंसी तथा ऑनलाइन भुगतान प्रणालियों का इस्तेमाल करते थे। एफबीआई को इस नेटवर्क की जानकारी उन लोगों से मिली जिन्होंने संदिग्ध गतिविधियों की शिकायत की थी। वाशिंगटन स्थित चीनी दूतावास के एक प्रवक्ता ने जासूसी के आरोपों को पूरी तरह मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण बताया है।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ने इस्तीफा दिया, सरकार सेना पर समुचित खर्च नहीं करना चाहती

» लंदन, भाषा।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हीली ने बृहस्पतिवार को पद से इस्तीफा दे दिया और कहा कि बढ़ते खतरे के समय सरकार सेना पर समुचित खर्च करने की इच्छुक नहीं है। हीली ने प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर से कहा कि सरकार का रक्षा निवेश इस खतरनाक समय में आवश्यकता से कहीं कम है। रक्षा मंत्रालय और आर्थिक एवं वित्त मंत्रालय के बीच असहमति की खबरों के कारण रक्षा निवेश योजना के प्रकाशन में देरी हुई है। हीली ने त्याग पत्र में लिखा, बढ़ते खतरों के इस दौर में देश की सुरक्षा के लिए जिन संसाधनों की जरूरत है, उन्हें उपलब्ध कराने में आप असमर्थ रहे हैं और आर्थिक एवं वित्त मंत्रालय भी इसके लिए इच्छुक नहीं रहा है।

उन्होंने कहा, आपके रक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देने के अलावा मेरे पास अब कोई विकल्प नहीं बचा है। जुलाई 2024 में लेबर पार्टी की सरकार बनने के बाद से ही हीली ब्रिटेन के रक्षा मंत्री रहे हैं तथा उन्हें एक काबिल और गंभीर मंत्री माना जाता है। स्टार्मर ने 2027 तक ब्रिटेन के रक्षा खर्च को बढ़ा कर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 2.5 प्रतिशत और 2034 तक 3 प्रतिशत करने का संकल्प लिया है। लेकिन सेना के कई अधिकारियों का कहना है कि यह समुचित नहीं है। हीली का इस्तीफा, मुश्किलों में घिरे प्रधानमंत्री स्टार्मर के लिए एक और झटका है, जो पहले से ही पद छोड़ने की लेबर पार्टी के सहयोगियों की मांग का सामना कर रहे हैं।

समुद्री व्यापार को सुरक्षित करने, आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने की जरूरत : जयशंकर

» सोफिया, भाषा।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच, समुद्री व्यापार को सुरक्षित करना और आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाना वैश्विक आर्थिक जोखिम से निपटने के लिए आवश्यक उपाय हैं। बुधवार को सोफिया में बुल्गारिया की विदेश मंत्री वेलिस्लावा पेत्रोवा-चमोवा के साथ बातचीत के बाद संवाददाता सम्मेलन में, जयशंकर ने कहा कि कई मुद्दों पर भारत और बुल्गारिया की सोच एक जैसी है। जयशंकर ने कहा, यह खास तौर पर जरूरी है कि समुद्री व्यापार में न तो कोई रुकावट आए और न ही उसे कोई खतरा हो। ग्लोबल साउथ की ओर से भारत ने ऊर्जा, खाद्य सामग्री और उर्वरकों से जुड़ी चिंताओं को भी बार-बार उठाया है।

ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, अल्प विकसित या अविकसित देशों के रूप में जाना जाता है। ये देश मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में स्थित हैं। जयशंकर ने कहा, जहां तक आर्थिक जोखिम की बात है, तो इसका जवाब आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और उसमें और विविधता लाने में है। उनकी यह टिप्पणी खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच आई है, जहां हाल के दिनों में भारतीय नाविकों को बार-बार खतरों का सामना करना पड़ रहा है। जयशंकर ने कहा कि भारत और बुल्गारिया के बीच लंबे समय से संबंध रहे हैं और अब जरूरत इस बात की है कि इसे समकालिक और भविष्योन्मुखी रिश्ते में तब्दील किया जाए। आर्थिक मोर्चे पर, उन्होंने कहा कि भारत की 7-8 प्रतिशत की सालाना विकास दर कई नए मौके देती है, जो वैश्विक और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर हैं। जयशंकर ने भारत में फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग, डिजिटल और रक्षा जैसे क्षेत्रों को अवसरों के तौर पर उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता और बाजार तक पहुंच बढ़ाने के लिए विदेशों में भी नए निवेश कर रही हैं और सहयोग के नए रास्ते तलाश रही हैं। मंत्री ने बताया कि सोफिया विश्वविद्यालय में यूरोप के सबसे पुराने विभागों में से एक इंडोलॉजी (भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास, संस्कृति, भाषा और साहित्य का अकादमिक अध्ययन) है तथा बुल्गारिया में योग और आयुर्वेद तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पहले भी इस देश में कई भारतीय फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है।

जयशंकर ने फिनलैंड की विदेश मंत्री से मुलाकात करके एआई, 6जी और सेमीकंडक्टर पर की चर्चा

हेलसिंकी, भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को अपनी फिनलैंड की समकक्ष एलिना वाल्टोनेन के साथ भारत-फिनलैंड के बीच रणनीतिक साझेदारी पर बातचीत की और उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, व्यापार और निवेश को गहरा करने के साथ-साथ अपने राजनीतिक जुड़ाव की गति को बनाए रखने पर सहमति बनी। पोस्ट के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने स्टार्टअप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआई), सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, क्वांटम प्रौद्योगिकी, 6जी, स्वच्छ ऊर्जा और अंतरिक्ष के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की। जयशंकर से मुलाकात के बाद वाल्टोनेन ने सोशल मीडिया पोस्ट में दोहराया, फिनलैंड और भारत के बीच उत्कृष्ट द्विपक्षीय संबंध हैं। हम अपने व्यापारिक संबंधों को और गहरा करना जारी रखेंगे और डिजिटलीकरण और स्थिरता में अपार संभावनाएं देखते हैं। यह बैठक फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब की इस वर्ष की शुरुआत में भारत यात्रा के दौरान भारत और फिनलैंड द्वारा द्विपक्षीय संबंधों को डिजिटलीकरण और स्थिरता के क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने के कुछ महीनों बाद हुई है। उस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्टब ने साझेदारी की घोषणा की थी, जिसमें मोदी ने कहा था कि भारत और यूरोप के बीच संबंध एक स्वर्ण युग में प्रवेश कर रहे हैं, एक ऐसी भावना जिसे जनवरी में भारत-यूरोपी संघ मुक्त व्यापार समझौते के संपन्न होने से और बल मिला। लगभग दो दशकों की बातचीत के बाद संपन्न इस समझौते में दो अरब लोगों का बाजार और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग एक चौथाई हिस्सा शामिल है। द्विपक्षीय बैठक के बाद जयशंकर परिवर्तनशील दुनिया वैश्विक, क्षेत्रीय और स्थानीय परिप्रेक्ष्य विषय पर आधारित 14वें कुलतारंता वार्ता में भाग लेंगे और फिनलैंड के नेतृत्व और अन्य प्रतिभागियों के साथ बातचीत करेंगे।

कनाडा ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने के लिए पेश किया विधेयक

ओटावा, भाषा। कनाडा ने बुधवार को एक विधेयक पेश किया, जिसके तहत 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को तब तक सोशल मीडिया खाते रखने से रोका जा सकता है, जब तक कि संबंधित कंपनियां यह साबित न कर दें कि उनके मंच बच्चों के लिए सुरक्षित हैं। बुधवार को कनाडा के पहचान एवं संस्कृति मंत्री मार्क मिलर द्वारा पेश किया गया बिल सी-34 ऑनलाइन हानियों से निपटने के लिए कानूनी ढांचा तैयार करने की दिशा में कनाडाई सरकार का नवीनतम प्रयास है। आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रस्तावित कानून चैटजीपीटी जैसी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित चैटबॉट सेवाओं को भी विनियमित करेगा और ऑनलाइन मंचों के लिए नए सुरक्षा मानक लागू करेगा। बयान में कहा गया है कि कनाडा में नुकसान होने के बाद कार्वाई करने के लिए कानून तो मौजूद हैं, लेकिन फिलहाल ऐसी व्यवस्था की कमी है जो ऑनलाइन सेवाओं को पहले से ही नुकसान रोकने के लिए बाध्य करे। प्रस्तावित सुरक्षा सोशल मीडिया अधिनियम का उद्देश्य इस स्थिति को बदलना है, ताकि सोशल मीडिया सेवाएं और एआई चैटबॉट प्रदाता नुकसान होने से पहले ही उसे रोकने की जिम्मेदारी निभाएं। इस कदम के साथ कनाडा उन देशों की बढ़ती सूची में शामिल हो गया है जो बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया अब तक इकलौता ऐसा देश है जिसने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर राष्ट्रीय स्तर का कानून लागू किया है। वहीं ब्रिटेन, फ्रांस, यूनान, स्पेन और मलेशिया जैसे देशों ने भी बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा बढ़ाने के लिए ऐसे उपायों पर विचार किया है या उन्हें विकसित किया है। यदि यह विधेयक पारित हो जाता है, तो वेबसाइट्स पर बच्चों को साइबर धमकी, ऑनलाइन उत्पीड़न और अन्य हानिकारक सामग्री से बचाने की जिम्मेदारी भी होगी। आधिकारिक बयान के अनुसार, सोशल मीडिया और एआई चैटबॉट सेवाओं के लिए नए सुरक्षा मानकों के जरिए ऑनलाइन सेवाओं को अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बनाया जाएगा। विधेयक में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया खाते बनाने पर रोक लगाने का प्रावधान है। हालांकि, कंपनियों को छूट पाने का अवसर मिलेगा यदि वे यह साबित कर दें कि उन्होंने बच्चों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त उपाय लागू किए हैं।

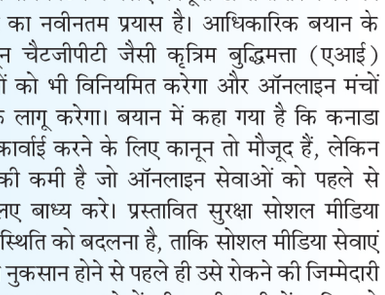

काशीवाजाकी-कारीवा संयंत्र को भी फुकुशिमा हादसे के बाद देशव्यापी परमाणु संयंत्र बंदी के तहत बंद कर दिया गया था

जापान में परमाणु ऊर्जा संयंत्र फिर से शुरू होने के बाद रेडियोधर्मी कचरे के निपटान की समस्या खड़ी हुई

» काशीवाजाकी (जापान), भाषा।

वैश्विक तेल संकट के बीच बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए जापान ने दुनिया के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र का संचालन फिर से शुरू कर दिया है, लेकिन इस कदम से एक गंभीर समस्या भी खड़ी हो गई है। इस्तेमाल हो चुके परमाणु ईंधन के निस्तारण के लिए जगह तेजी से कम पड़ रही है और रेडियोधर्मी कचरे के स्थाई निपटान की कोई व्यवहारिक योजना फिलहाल उसके पास मौजूद नहीं है। इस वर्ष की शुरुआत में काशीवाजाकी-कारीवा परमाणु ऊर्जा केंद्र के नंबर-6 रिएक्टर को दोबारा चालू किया गया था। इसका उद्देश्य अन्य परमाणु रिएक्टरों को भी फिर से शुरू करने की प्रक्रिया को गति देना था। जापान की विद्युत ऊर्जा कंपनियों के महासंघ के अनुसार, काशीवाजाकी-कारीवा उन तीन संयंत्रों में शामिल है जिनके शीतलन कुंड (कूलिंग पूल) अगले पांच वर्षों में पूरी तरह भर जाएंगे।

काशीवाजाकी-कारीवा के महाप्रबंधक ताकेयुकी इनागाकी ने कहा, ईंधन प्रबंधन की ठोस योजना के बिना हमारी बिजली उत्पादन व्यवस्था देर-सबेर ठप पड़ जाएगी। इस्तेमाल हो चुके उच्च स्तर के रेडियोधर्मी परमाणु ईंधन (स्पेंट फ्यूल) के स्थाई भंडारण की दशकों पुरानी तलाश के बीच सरकार अब तोक्यो के दक्षिण में प्रशांत महासागर में स्थित दूरस्थ द्वीप मिनामितोरिशिमा पर विचार कर रही है। हालांकि, स्पेंट फ्यूल और रेडियोधर्मी कचरे के प्रबंधन को लेकर सरकार की नीतियों और निर्णयों पर उठे सवालों के कारण इस प्रस्ताव को लेकर संदेह और आलोचना भी सामने आई है। मार्च 2011 के फुकुशिमा परमाणु हादसे के बाद से जापान के 54 रिएक्टर में से केवल 15 को ही दोबारा शुरू किया जा सका है। उस समय पूर्वोत्तर जापान के तट के पास आए 9.0 तीव्रता के भूकंप और उसके बाद आई सुनामी से तोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी (टेपको) के तीन रिएक्टर में परमाणु ईंधन पर्याप्त शीतलन नहीं मिलने के कारण अत्यधिक गर्म होकर पिघलने लगे थे। इस हादसे के कारण लगभग 1.60 लाख लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े थे और कुछ क्षेत्र आज भी रहने योग्य नहीं हैं। टेपको द्वारा

संचालित काशीवाजाकी-कारीवा संयंत्र को भी फुकुशिमा हादसे के बाद देशव्यापी परमाणु संयंत्र बंदी के तहत बंद कर दिया गया था। काशीवाजाकी-कारीवा के नंबर-6 रिएक्टर का कूलिंग पूल (शीतलन कुंड) 88 प्रतिशत तक भर चुका है और उसमें रखा स्पेंट फ्यूल संयंत्र के शीर्ष तल पर बने अवलोकन क्षेत्र से देखा जा सकता है। फुकुशिमा हादसे से सबक लेते हुए टेपको ने यहां फिल्टर्ड वेंटिंग सिस्टम और हाइड्रोजन विस्फोट रोकने वाले उपकरण समेत कई अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए हैं। जापान के प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची अधिक परमाणु संयंत्रों को चालू करने पर जोर दे रही हैं, जिससे स्पेंट फ्यूल की मात्रा और बढ़ेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि स्थाई भंडारण की व्यवहारिक योजना नहीं बनी तो भंडारण क्षमता समाप्त होने पर रिएक्टर को फिर से बंद करना पड़ सकता है। इस्तेमाल हो चुके परमाणु ईंधन के निपटान के दो विकल्प हैं। पहला इसका सीधे कचरे के रूप में निस्तारण किया जाए या इसमें से प्लूटोनियम और यूरेनियम निकालकर पुनः उपयोग किया जाए। जापान पुनर्चक्रण की नीति पर जोर देता है। उसका कहना है कि इससे संसाधनों की कमी वाले देश की ऊर्जा जरूरतें पूरी करने में मदद मिलेगी और रेडियोधर्मी कचरे की विषाक्तता तथा मात्रा भी घटेगी। हालांकि, प्लूटोनियम के पुनः उपयोग के लिए बनाया गया विशेष रिएक्टर विफल रहा है। साथ ही पुनर्प्रसंस्करण (रीप्रोसेसिंग) सभी स्पेंट फ्यूल को संभालने में सक्षम नहीं होगा, जिससे प्लूटोनियम का भंडार और बढ़ सकता है। वर्तमान भंडार पहले ही हजारों परमाणु बम बनाने के लिए पर्याप्त माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि जापान को प्रत्यक्ष निपटान के विकल्प पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए। जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, दिसंबर 2025 तक जापान के 17 परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के कूलिंग पूल में 17,000 टन से अधिक स्पेंट फ्यूल जमा था, जो कुल भंडारण क्षमता का लगभग 80 प्रतिशत है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com